शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 243 | गुवाहाटी | शनिवार, 5 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

चीन ने अमेरिकी सामानों पर लगया 34 परसेंट का एक्स्ट्रा टैरिफ पेज 2
एसीएस अधिकारी तनबीर और मसूम अहमद के घर पर सीएम विजिलेंस टीम का छापा पेज 3
वक्फ संशोधन बिल मुस्लिम महिलाओं और गरीब मुसलमानों के अधिकारों ... पेज 5
हैदराबाद पर मिली जीत के बाद केकेआर के उपकप्तान वेंकटेश अय्यर ने ... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

वक्फ विधेयक पर संसद की मुहर

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद ने वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पर अपनी मुहर लगा दी। लोकसभा के बाद राज्यसभा में 12 घंटे से अधिक चली मैराथन बहस के बाद इसे पारित कर दिया गया। आधीरात बाद नई तारीख (04 अप्रैल,2025) शुरू होने के कुछ समय बाद विधेयक के समर्थन में 128 और विरोध में 95 मत पड़े। विधेयक पर विपक्ष ने कई संशोधन पेश किए। सदन ने उन्हें खारिज कर दिया। अब इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही यह विधेयक कानून का रूप ले लेगा। विधेयक पारित करने के लिए लोकसभा की तरह राज्यसभा में भी आधी रात बाद तक कार्यवाही चली। राज्यसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक- 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है और इसे धर्मनिरपेक्ष होना चाहिए। फिर भी हमने इसमें गैर-मुस्लिमों की संख्या सीमित कर दी है। वक्फ विधेयक से मुसलमानों को हम नहीं डरा रहे, बल्कि विपक्षी पार्टियां डरा रही हैं। उन्होंने पूछा कि मुसलमानों में गरीबी ज्यादा है, तो उन्हें गरीब किसने बनाया? आपने बनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो सबका साथ, सबका विकास की बात की है, वही तो संविधान की भावना है। वक्फ बोर्ड असंवैधानिक नहीं है। विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष की अधिकांश सीटें खाली दिखीं। इस दौरान लोकसभा की तरह राज्यसभा में भी सरकार की तरफ से गृहमंत्री अमित शाह मोर्चा संभाले दिखे। उन्होंने चर्चा के दौरान कई बार खड़े होकर न सिर्फ हस्तक्षेप किया, बल्कि विपक्ष को आईना भी दिखाया। -शेष पृष्ठ दो पर

बिल को एससी में चुनौती, ओवैसी और कांग्रेस एमपी ने दाखिल की याचिका

राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करेगा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

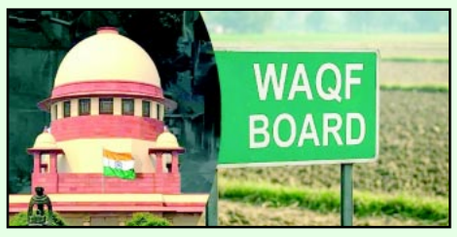

नई दिल्ली (एजे/हि.स.)। वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर देशभर में राजनीतिक गरमाई हुई है। बता दें कि संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा से वक्फ बिल को पास कर दिया गया है। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल और कई मुस्लिम संगठन इस बिल का विरोध कर रहे हैं। वहीं, अब वक्फ संशोधन बिल का मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। दरअसल, एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी और कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर -शेष पृष्ठ दो पर

गरीब मुसलमानों के अधिकारों की रक्षा करेगा नया कानून : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वक्फ संशोधन विधेयक-2025 पर संसद की मुहर लगने पर बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने एक्स पर कहा कि अब हम ऐसे युग में प्रवेश करेंगे जहां ढांचा अधिक आधुनिक और सामाजिक न्याय के प्रति संवेदनशील होगा। हम व्यापक रूप से प्रत्येक नागरिक की गरिमा को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब हम अधिक मजबूत, अधिक समावेशी और अधिक दयालु भारत का निर्माण भी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि दशकों से वक्फ व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव था। इससे खासतौर पर मुस्लिम महिलाओं, गरीब मुसलमानों, पसमांदा मुसलमानों के हितों को नुकसान पहुंचता था। संसद द्वारा पारित कानून पारदर्शिता को बढ़ाएंगे और लोगों के अधिकारों की रक्षा भी करेंगे। उन्होंने लिखा कि संसद के दोनों सदनों द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक का पारित होना सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास के लिए हमारी सामूहिक खोज में एक महत्वपूर्ण क्षण है। इससे विशेष रूप से उन लोगों को मदद मिलेगी जो लंबे समय से हाशिये पर हैं।

असम समेत देश के कई राज्यों में विधेयक के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग

यूपी में पुलिस की छुट्टी रद्द

बिजनी, शोणितपुर, बोंगाईगांव, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, पटना,लखनऊ (एजे)। लोकसभा द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित किए जाने के एक दिन बाद, असम के कई जिलों समेत देश के कई राज्यों में इस कानून को रद्द करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए। हालांकि, किसी भी राज्य में हालात काबू से बाहर नहीं हैं। लोगों के विरोध प्रदर्शन के बीच पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में बनाए रखा है। असम के बिजनी, बंगाईगांव और शोणितपुर में विरोध प्रदर्शन हुए, जहां लोग बिल का विरोध करते हुए तख्तियां लेकर सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि वक्फ संपत्तियां पूरी तरह से मुस्लिम समुदाय की हैं, जो उनके पूर्वजों द्वारा पीढ़ियों -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

एक निराशावादी इंसान हर मौके पर सिर्फ कठिनाइयों को ही देखता है, जबकि एक आशावादी इंसान हर कठिनाई में मौके देखता है।।

-अज्ञात

न्यूज गैलरी

असम कैबिनेट ने बहुभाषी आधिकारिक संचार को मंजूरी दी

गुवाहाटी। 15 अप्रैल, 2025 से असम सरकार द्वारा सभी आधिकारिक संचार असमिया और अंग्रेजी में उपलब्ध होंगे, बराक घाटी में बंगाली और बीटीएडी क्षेत्र में बोडो के लिए प्रावधान किए गए हैं। शुक्रवार, 4 अप्रैल को कैबिनेट की बैठक के बाद एक -शेष पृष्ठ दो पर

लोस और रास अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण खत्म हो गया है और दोनों ही सदनों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के आखिरी समय के कामकाज अपने आप में ऐतिहासिक रहे। दोनों सदनों में वक्फ बिल को लेकर देर रात तक चर्चा की गई और उसे पारित किया गया जो अपने आप में एक नया रिकॉर्ड है। वक्फ बिल में पुराना रिकॉर्ड -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने महंगाई भत्ता बढ़ाकर 55 प्रतिशत किया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को असम कैबिनेट ने सरकारी कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में 2 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी से लागू होने वाली इस वृद्धि के साथ राज्य कर्मचारियों के लिए डीए और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत (डीआर) मूल वेतन या पेंशन का 55 प्रतिशत हो जाएगी। एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए शर्मा ने इसे राज्य कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बिहू का तोहफा बताया। उन्होंने कहा कि हम पिछले महीने के वेतन के साथ बढ़ा हुआ डीए का भुगतान करेंगे, जबकि बकाया राशि का भुगतान अप्रैल और मई के वेतन के साथ किया जाएगा। केंद्र ने हाल ही में अपने कर्मचारियों के लिए डीए और डीआर में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

कोच-राजबोंगशियों के खिलाफ विदेशी न्यायाधिकरणों में चल रहे 28 हजार मामले वापस लेगी राज्य सरकार

गुवाहाटी। असम मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को फैसला किया कि राज्य के विदेशी न्यायाधिकरणों में कोच-राजबोंगशी समुदाय के सदस्यों के खिलाफ लंबित लगभग 28,000 मामलों को *तत्काल आधार पर* वापस ले लिया जाएगा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कैबिनेट मीटिंग के बाद यह घोषणा करते हुए कहा कि ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि राज्य सरकार कोच-राजबोंगशी को एक *स्वदेशी समुदाय* मानती है। कोच-राजबोंगशी असम के उन छह समुदायों में से एक हैं जो अनुसूचित जनजाति का दर्जा मांग रहे हैं, जिसका वादा भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनावों से पहले उनसे किया था। उन्होंने कहा कि असम के विदेशी न्यायाधिकरणों में कई मामले लंबित हैं। इनमें से 28,000 लोग कोच-राजबोंगशी समुदाय से हैं। वे आज विदेशी कहलाने का अपमान सहते हुए मुकदमे लड़ रहे हैं। असम सरकार का मानना है कि कोच-राजबोंगशी एक स्वदेशी समुदाय हैं। वे असम की संस्कृति का एक अनिवार्य अंग हैं। इसलिए राज्य सरकार ने विदेशी न्यायाधिकरणों में चल रहे इन मामलों और कोच-राजबोंगशी लोगों के नाम से जुड़े डी-वोटर को तत्काल वापस लेने का फैसला किया है। 31 दिसंबर, 2023 तक असम के विदेशी न्यायाधिकरणों के समक्ष 96,149 मामले लंबित थे। न्यायाधिकरणों को दो तरह के मामले मिलते हैं: वे जिनके खिलाफ -शेष पृष्ठ दो पर

फिल्म अभिनेता मनोज कुमार का निधन, *भारत कुमार* नाम से थे मशहूर

मुबंई। बी-टाउन इंडस्ट्री से दिल तोड़ देने वाली खबर सामने आई है। खबर है कि एक्टर और फिल्म निर्देशक मनोज कुमार अब हमारे बीच नहीं रहे। शुक्रवार सुबह मनोज कुमार ने दुनिया को अलविदा कह दिया। वे 87 साल के थे। उन्होंने कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। इस खबर के बाद पूरे देश में शोक की लहर है। दोपहर बाद विशाल टॉवर, जुहू में उनके अंतिम दर्शन किए जा सकेंगे। कल सुबह पवन हंस श्मशान घाट, जुहू में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, *भारत कुमार* के नाम से मशहूर अभिनेता ने सुबह 4:03 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन की वजह दिल का दौरा बताई -शेष पृष्ठ दो पर

सड़क पर नमाज से जुड़े गौरव गोगोई के बयान पर सीएम शर्मा ने जताई शर्मिंदगी

गुवाहाटी। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने संसद में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के सड़क पर नमाज से जुड़े बयान को लेकर शर्मिंदगी जताई। उन्होंने सांसद का बिना नाम लिए कहा कि मुझे इस बात पर शर्मिंदगी महसूस हो रही है कि हमारे राज्य के एक सांसद ने वक्फ विधेयक पर बहस के दौरान संसद में कहा कि मुसलमानों को सड़कों पर ईद की नमाज अदा करने की अनुमति नहीं है। मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। असम की सरकार की कैबिनेट बैठक के बाद सीएम शर्मा ने कहा कि असम के लोग भी सड़कों पर नमाज अदा नहीं करना चाहते हैं। क्योंकि राज्य में खूबसूरत और अच्छी मस्जिदें हैं। शर्मा ने कहा कि देश भर से लोग मुझे इस बारे में फोन कर रहे हैं। हम शर्मिंदा हैं और मैं सीएम के तौर पर देश भर के लोगों से माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा कि मुसलमानों की ओर से ऐसी कोई मांग -शेष पृष्ठ दो पर

नेडा संयोजक डॉ. शर्मा 10 जून को मणिपुर का दौरा करेंगे

इंफाल। एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में, असम के मुख्यमंत्री और नॉर्थ-ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (नेडा) के संयोजक हिमंत विश्व शर्मा 10 जून को मणिपुर का दौरा करने वाले हैं, जो हाल ही में भड़की हिंसा के बाद से राज्य का उनका पहला दौरा होगा। इस यात्रा से राज्य में चल रहे तनाव को दूर करने और राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। इस यात्रा से पहले मणिपुर के विधायकों -शेष पृष्ठ दो पर

न-पुखुरी में छठ पूजा विवाद

हिमंत ने तिनसुकिया के लोगों से शांति और सद्भाव से रहने की अपील की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को तिनसुकिया के लोगों से शांति और सद्भाव से रहने की अपील की। यह अपील ऐसे समय में की गई है जब कुछ दिनों पहले एक त्योहार को मनाने को लेकर हिंदी भाषी समुदाय के सदस्यों और कुछ स्थानीय संगठनों के बीच मतभेद के बाद शहर में तनाव व्याप्त हो गया था। मुख्यमंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यदि दो समुदायों के बीच गलतफहमी बनी रही तो असम में निवेश नहीं आएगा और विकास नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मैं तिनसुकिया की स्थिति को लेकर चिंतित हूं क्योंकि दो समुदायों के बीच मतभेद के कारण शहर में बार-बार तनाव पैदा हो रहा है। इससे दूसरों को राज्य पर उंगली उठाने का मौका मिल जाता है। बुधवार से ही कस्बे में तनाव व्याप्त है, क्योंकि कुछ संगठनों ने -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर के घाटी जिलों से 11 उग्रवादी गिरफ्तार, गोला-बारूद बरामद

इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कई घाटी जिलों से प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 11 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, कई ऑपरेशनों के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए। पुलिस के मुताबिक सुरक्षाबलों ने पीआरईपीएके के दो सक्रिय सदस्यों को इंफाल पश्चिम जिले के लांगथाबल कुंजा से गिरफ्तार किए गए, जबकि कांगलेई यावल कन्ना लुप (केवाईकेएल) का एक अन्य सदस्य उसी जिले के अवांफ पोतसांगबाम से पकड़ा गया। एक अन्य उग्रवादी, जो प्रतिबंधित केवाईकेएल (एसओआरईपीए) से संबंधित था, को थौबाल जिले के उनिंगखोंग क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। इसी तरह से सुरक्षाबलों ने इंफाल -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी ने मुहम्मद यूनुस को सुनाई खरी खरी, कहा-

हिंदुओं पर हमले बर्दाश्त नहीं, माहौल को खराब करने वाली बयानबाजी से बचें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आखिरकार बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से द्विपक्षीय मुलाकात कर ली लेकिन भारत और बांग्लादेश के संबंधों में तनाव बरकरार है। हम आपको बता दें कि पिछले साल अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात है। दोनों नेताओं ने बहु-क्षेत्रीय और तकनीकी सहयोग के लिए बिम्सटेक समूह के नेताओं की शिखर बैठक से इतर यह मुलाकात की। बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद थे। इस मुलाकात के बारे में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन को दोहराया है। मिसरी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मुहम्मद यूनुस के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ बिल पर चर्चा

लोस से गैरहाजिर टीएमसी के तीन सांसदों के खिलाफ एक्शन लेंगी ममता

कोलकाता। बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शुरू से ही वक्फ संशोधन विधेयक का पुरजोर विरोध करते हुए इस मुद्दे पर केंद्र के खिलाफ मुखर रही है। इस बीच लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पर बहस और मतदान के वक्त तृणमूल कांग्रेस के तीन सांसद अनुपस्थित थे। तृणमूल सूत्रों के अनुसार, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का एक वर्ग इसको लेकर नाराज है। पार्टी इनकी अनुपस्थिति पर तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी से चर्चा के बाद इन तीनों के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। पार्टी सूत्रों ने इसके संकेत -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

चीन ने अमेरिकी सामानों पर लगया 34 परसेंट का एक्स्ट्रा टैरिफ

बीजिंग। चीन ने शुक्रवार को कहा कि वह 10 अप्रैल से अमेरिका से आयातित सभी वस्तुओं पर 34 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क लगाएगा, सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया। इस कदम को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध के जवाब के रूप में देखा जा रहा है, जिसे उन्होंने चीन सहित व्यापारिक साझेदारों पर नए शुल्क लगाने की घोषणा के बाद और बढ़ा दिया है। ट्रंप ने बुधवार को सभी चीनी वस्तुओं के आयात पर अतिरिक्त 34 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की, और 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क की दो किस्तों के साथ, अमेरिका में आने वाले चीनी सामान प्रभावी रूप से 54 प्रतिशत शुल्क के अधीन होंगे। कपड़ों से लेकर रसोई के बर्तनों तक हर चीज का अमेरिका को प्रमुख निर्यातक चीन ने पहले ही जवाबी कार्रवाई की घोषणा कर दी है, जिससे अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए कीमतें बढ़ने की आशंका है। इससे पहले, चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि व्यापार युद्धों और टैरिफ युद्धों में कोई विजेता नहीं होता। ट्रम्प द्वारा देश के तीसरे सबसे बड़े निर्यात बाजार अमेरिका में अपने 438 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक के आयात पर टैरिफ लगाए जाने के बाद बीजिंग ने दृढ़ता से जवाबी उपाय अपनाने की कसम खाई। ट्रम्प के टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए, चीन ने कहा कि इतिहास दिखाता है कि टैरिफ बढ़ाने से संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। यह अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाता है और वैश्विक आर्थिक विकास के साथ-साथ औद्योगिक और आपूर्ति शृंखला स्थिरता को भी खतरे में डालता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में चीन के साथ अमेरिका का कुल माल व्यापार अनुमानित 582.4 बिलियन अमरीकी डॉलर था। जबकि 2024 में चीन को अमेरिकी माल निर्यात 143.5 बिलियन अमरीकी डॉलर था, 2024 में चीन से अमेरिका का आयात कुल 438.9 बिलियन अमरीकी डॉलर था। 2024 में चीन के साथ अमेरिकी माल व्यापार घाटा 295.4 बिलियन अमरीकी डॉलर था। ट्रम्प के नवीनतम टैरिफ का उद्देश्य चीन पर अधिक अमेरिकी औद्योगिक और कृषि वस्तुओं और उत्पादों को खरीदने के लिए दबाव डालना है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प ने महीनों से अन्य देशों की विशिष्ट वस्तुओं के लिए उच्च टैरिफ दरों से मेल खाने के लिए पारस्परिक टैरिफ लगाने और गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करने की कसम खाई थी, जो अमेरिकी निर्यात को नुकसान पहुंचाते हैं।

फकीराग्राम में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पण के साथ चैती छठ संपन्न

कोकराझाड़ (हिंस)। देश के अन्य हिस्सों की तरह कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही लोक आस्था का महापर्व चैती छठ पूजा का आज सफल समापन हो गया। चार दिवसीय महापर्व के दौरान भगवान भास्कर की आराधना में सम्पूर्ण भारत के साथ साथ असम के कोकराझाड़ जिला के लोग भी डूबे रहे। घाटों पर व्रतियों, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। इस मौके पर छठ घाटों पर की गई आकर्षक साज-सज्जा का दृश्य काफी मनोहारी लग रहा था। शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रतियों ने 36 घंटे से जारी निर्जला उपवास तोड़ा। कोकराझाड़ जिले फकीराग्राम हेल नदी के घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। इससे पहले गुरुवार की शाम को छठ घाटों पर व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। अर्घ्य के दौरान व्रतधारी महिलाएं-पुरुष जल में काफी देर तक हाथ जोड़े खड़े रह कर सूर्य की आराधना की और अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए पूजा समितियों द्वारा छठ घाटों को आकर्षक साज-सज्जा के तहत सजाने के साथही कई प्रकार के इंतजाम किए किए गए थे, ताकि व्रतियों को कोई कठिनाई न हो। अर्घ्य अर्पित करने के बाद घाटों पर सुहागिन महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा संपन्न होने के बाद छठ का प्रसाद पाने के लिए भी लोगों की काफी भीड़ देखी गई।

पति पर पत्नी की हत्या का आरोप, आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पश्चिम बोरागांव इलाके में आज एक महिला की संदिग्ध परिस्थिति में हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने मृतका के पति प्रदीप बर्मन को पत्नी ज्योत्स्ना बर्मन की हत्या के संदेह में गिरफ्तार कर लिया है। बोरागांव हत्या के संबंध में डीसीपी ने कहा कि आज पश्चिम बोरागांव एलपी स्कूल के पास एक महिला का शव बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि महिला ज्योत्स्ना बर्मन की हत्या उसके पति प्रदीप बर्मन ने की है। आज सुबह तक प्रदीप अपनी पत्नी के साथ ही था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीती रात पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था। महिला के शरीर पर चोट के निशान पाए गये हैं। पति-पत्नी के बीच अक्सर पारिवारिक झगड़े होते रहने की जानकारी स्थानीय लोगों ने दी है। महिला के चेहरे और पेट पर चोट के निशान पाये गये हैं। उन्होंने बताया है कि प्रारंभिक जांच में हत्या का मामला सामने आया है। आरोपी प्रदीप बर्मन को गिरफ्तार किया गया है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री, सीएम डॉ. शर्मा सहित तमाम नेताओं ने मनोज कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित तमाम नेताओं ने शुक्रवार को महान अभिनेता और फिल्म निर्माता मनोज कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया। फिल्मों में अपनी देशभक्तिपूर्ण भूमिकाओं के कारण भारत कुमार के नाम से विख्यात मनोज कुमार का आज 87 वर्ष की आयु में मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में निधन हो गया। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि महान अभिनेता और फिल्मकार मनोज कुमार के निधन से दुखी हूं। उन्होंने भारतीय सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी है। अपने लंबे और प्रतिष्ठित करियर के दौरान वे अपनी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाने जाते थे, जो भारत के योगदान और मूल्यों पर गर्व की भावना को बढ़ावा देती थीं। उन्होंने राष्ट्रीय नायकों, किसानों और सैनिकों के जिन प्रतिष्ठित चरित्रों को जीवंत किया, वे हमारी सामूहिक स्मृति में अंकित रहेंगे। उनका सिनेमा राष्ट्रीय गौरव को जगाएगा और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। मैं उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। उपराष्ट्रपति ने अपने शोक संदेश में एक्स पर कहा कि पद्मश्री और दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित और भारतीय सिनेमा के महान व्यक्तित्व मनोज कुमार के निधन से दुखी हूं। अपनी देशभक्ति फिल्मों के लिए प्रसिद्ध, उन्होंने लोकप्रिय संस्कृति में राष्ट्रवाद की भावना का संचार किया और भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने पर अमिट छाप छोड़ी। वहीं असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने फिल्म जगत के जानू माने अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर करते हुए लिखा कि देशभक्ति आधारित फिल्मों में अभिनय कर देश के करोड़ों फिल्म प्रेमियों के दिलों में अभिनेता मनोज कुमार ने अमिट स्थान बनाया है।

पूसीरे तीन जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनें चलाएगी

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी गर्मियों के दौरान यात्रियों की संभावित भारी भीड़ को समायोजित करने के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने तीन जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करने का निर्णय लिया गया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि स्पेशल ट्रेन संख्या 03027 (हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी) समर स्पेशल 9 अप्रैल से 7 मई तक प्रति बुधवार को हावड़ा से 23ः55 बजे रवाना होगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 03028 (न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा) समर स्पेशल ट्रेन 10 अप्रैल से 8 मई तक प्रति गुरुवार को न्यू जलपाईगुड़ी से 12-45 बजे रवाना होगी। स्पेशल ट्रेन संख्या 03105 (सियालदह-जागीरोड) समर स्पेशल 18 अप्रैल से 9 मई तक प्रति शुक्रवार को सियालदह से 09-00 बजे रवाना होगी। इसी प्रकार, स्पेशल ट्रेन संख्या 03106 (जागीरोड-सियालदह) समर स्पेशल 19 अप्रैल से 10 मई तक प्रति शनिवार को जागीरोड से 13:00 बजे रवाना होगी।

पृष्ठ एक का शेष

वक्फ विधेयक पर...

कांग्रेस के नासिर हुसैन को उन्होंने बीच में टोका और कहा कि अब तक ट्रिब्यूनल के फैसले को चुनौती नहीं दी जा सकती थी। नए विधेयक में हम इसे लेकर आए हैं। भाजपा अध्यक्ष और सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में मुस्लिम महिलाओं को दोयम दर्जे की नागरिक बना दिया था। मिस्र, सूडान, बांग्लादेश और सीरिया जैसे मुस्लिम देशों में कई साल पहले तत्काल तीन तलाक पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने एक दशक तक सत्ता में रहने के दौरान मुस्लिम महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। इससे पहले राज्यसभा में विधेयक पेश करते हुए रिजिजू ने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज किया कि मुस्लिमों के अधिकार छीने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कानून का उद्देश्य मुस्लिम महिलाओं को सशक्त बनाना और सभी मुस्लिम समुदाय के अधिकारों की रक्षा करना है। यह विधेयक मुस्लिमों के खिलाफ बिल्कुल नहीं है, बल्कि उनका उत्थान करने वाला है। यह विधेयक गरीब और पिछड़े मुस्लिमों और उनके परिवारों के विकास का रास्ता खोलने वाला है। इसलिए इसका नाम उम्मीद रखा गया है। उन्होंने उम्मीद (यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट, इफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) का पूरा नाम भी पढ़कर बताया। उन्होंने कहा कि वैसे भी जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विकसित बनाने की बात करते हैं तो उससे मुस्लिम अलग नहीं हैं। रिजिजू ने वक्फ बोर्डों पर मनमाने व्यवहार का आरोप लगाया और कहा कि दिल्ली के भीतर मौजूद शहरी विकास मंत्रालय और दिल्ली विकास प्राधिकरण की 123 संपत्तियों पर वक्फ अपना दावा कर रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कल वक्फ संसद भवन पर भी दावा पेश कर दे। उन्होंने केरल और तमिलनाडु के कुछ और उदाहरण भी गिनाए।

बिल को एससी में ...

के वक्फ संशोधन अधिनियम को चुनौती दी है। वक्फ संशोधन विधेयक पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह विधेयक लोकसभा और राज्यसभा में पारित हो चुका है। अभी इस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने बाकी हैं और फिर इसे कानूनी लड़ाई से गुजरना होगा। हम वही करेंगे जो संवैधानिक है। संसद में पारित संशोधन विधेयक असंवैधानिक है। कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की प्रमुख सोनिया गांधी ने सरकार पर वक्फ (संशोधन) विधेयक को मनमाने ढंग से पारित कराने का आरोप लगाया है। सोनिया गांधी ने कहा है कि यह विधेयक संविधान पर सरेआम हमला है। यह समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में बनाए रखने की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। वहीं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोनिया गांधी को जवाब दिया है। उन्होंने बिना नाम लिए हुए कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर वरिष्ठ सदस्य द्वारा टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण और संसदीय मर्यादा के अनुरूप नहीं है। सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों के बीच पूरे दिन की चर्चा और बहस के बाद वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों से पास किया गया है। लोकसभा में इस बिल के पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 वोट पड़े हैं। तो वहीं, राज्यसभा में वक्फ बिल के पक्ष में 128 वोट और विपक्ष में 95 वोट डाले गए। इसके साथ ही बिल बहुमत से दोनों सदनों से पास हो गया। मोहम्मद जावेद कांग्रेस पार्टी के नेता और सांसद हैं। जावेद बिहार की किशनगंज लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह साल 2019 में भी किशनगंज लोकसभा सीट से सांसद चुने गए थे। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन विधेयक को चुनौती देते हुए मोहम्मद जावेद ने दावा किया है कि ये बिल संवैधानिक प्रावधानों के खिलाफ है। वहीं, ओवैसी ने याचिका में कहा है कि ये प्रावधान मुसलमानों और मुस्लिम समुदाय के मौलिक अधिकारों का स्पष्ट रूप से उल्लंघन करते हैं। उधर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड अन्य मुस्लिम संगठनों को साथ लेकर संसद से पास वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने की तैयारी में जुट गया है। बोर्ड महासचिव मौलाना अबुल रहीम मुजद्दद्दी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि मुसलमानों के फायदे के नाम पर लाया गया यह कानून मुसलमानों को अस्वीकार्य है और यह विनाशकारी भी है। अफसोस की बात है कि सरकार ने बोर्ड और अन्य मुस्लिम संगठनों की मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया। साथ ही विपक्षी दलों के नेताओं और उनके सांसदों को भी नहीं सुना गया। एक लोकतांत्रिक देश में यह तानाशाही रवैया अस्वीकार्य है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड इस पर कभी चुपचाप नहीं बैठेगा। बोर्ड राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहा है और तैयारी के साथ कानूनी कार्रवाई करेगा। जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी।

असम समेत देश के ...

से चली आ रही हैं। बिजनी में ऑल असम माइनॉरिटीज स्टूडेंट्स यूनियन (आम्सू) के अध्यक्ष जाहेद अली ने कहा कि हम इस बिल का पूरी तरह से विरोध करते हैं और इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे। हम आज इसका विरोध कर रहे हैं और भविष्य में भी इसका विरोध करेंगे। वक्फ संपत्ति मुस्लिम समुदाय की है और पीढ़ियों से चली आ रही है। यह हमारा अधिकार है। सत्तारूढ़ सरकार पर कटाक्ष करते हुए जाहेद ने कहा कि मौजूदा सरकार देश में मुस्लिम समुदाय को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। जाहेद ने कहा कि भाजपा सरकार बलपूर्वक हमारे समुदाय को कमजोर करने और नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है। हम अपने समुदाय पर हमला करने के लिए भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कड़ी निंदा करते हैं। उल्लेखनीय रूप से, बोंगाईगांव और बिजनी में एएएमएसयू ने अपने मुंह को काले कपड़े से ढककर विरोध प्रदर्शन किया, जबकि बारा मस्जिद वक्फ संपत्ति के सदस्य *हम वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को अस्वीकार करते हैं* कहते हुए पोस्टर लेकर शोणितपुर की सड़कों पर उतर आए। वहीं गुजरात के अहमदाबाद में जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समाज ने वक्फ बिल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। सरकार के बिल पर प्रदर्शनकारियों का गुस्सा देखने को मिला। प्रदर्शन के दौरान माहौल तनावपूर्ण होता देख पुलिस को एहतियाती कदम उठाने पड़े। उसने सख्ती दिखाते हुए करीब 50 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। ताजा जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद में स्थिति काबू में है। उधर पश्चिम बंगाल के कोलकाता में भी वक्फ संशोधन बिल पर सरकार के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूटा। कोलकाता में भी प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। वहां से आई खबरों के मुताबिक लोगों ने बिल के खिलाफ नारेबाजी भी की। हालांकि, खबर लिखे जाने तक किसी तरह की हिंसक गतिविधि की खबर नहीं आई है। इधर वक्फ बिल के संसद से पास हो जाने पर बिहार में भी कुछ नाराजगी देखने को मिली। राज्य के जमुई में जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने अपना विरोध जाहिर किया। सैकड़ों की तादाद में लोग सड़कों पर उतर आए और नारेबाजी की। बिहार में सिर्फ केंद्र सरकार के खिलाफ ही नाराजगी नहीं दिखी, बल्कि राज्य के नेताओं के खिलाफ भी लोगों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। एक रिपोर्ट के मुताबिक नीतीश कुमार, जीतन राम मांझी और चिराग पासवान के खिलाफ भी लोगों ने नारेबाजी की। गौरतलब है कि तीनों ही नेताओं की पार्टियां एनडीए का हिस्सा हैं और सबने बिल का समर्थन किया है। वहीं दिल्ली में अब तक किसी बड़े प्रदर्शन की खबर सामने नहीं आई है। हालांकि, एक रिपोर्ट के मुताबिक जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में वक्फ बिल के खिलाफ नारेबाजी हुई है। उधर यूपी में भी स्थिति सामान्य नजर आ रही है। यहां पुलिस द्वारा पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता किए जाने की खबरें आ रही हैं। 2 अप्रैल की शाम को ही राज्य के डीजीपी प्रशांत कुमार ने सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां तत्काल रद्द कर ड्यूटी पर लौटने का आदेश जारी किया था। इसके अलावा लखनऊ, मुजफ्फरनगर, संभल, सहारनपुर समेत कई जिलों में पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। लखनऊ में कुल 61 इलाकों को सेंसिटिव जोन घोषित किया गया है। जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन होने की आशंका से यहां पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है।

कोच-राजबोंगशियों के ...

सीमा पुलिस और डी-मतदाताओं द्वारा *संदर्भ* दिया गया है या वे लोग जिन्हें सत्यापन के दौरान कथित रूप से अपनी नागरिकता साबित करने में असमर्थ होने के बाद असम की मतदाता सूची में *संदिग्ध* के रूप में चिह्नित किया गया है। न्यायाधिकरणों का कार्य यह निर्धारित करना है कि उनके समक्ष प्रस्तुत किया गया व्यक्ति *विदेशी* है या भारतीय नागरिक है। शर्मा ने कहा कि कोच-राजबोंगशी लोगों को इस वजह से बहुत लंबे समय से तकलीफ उठानी पड़ रही है और वे बहुत गरीब हैं, इसलिए हमने ऐतिहासिक फैसला लिया है कि अब उन पर विदेशी होने का ठप्पा नहीं लगेगा। उनके खिलाफ दर्ज हर मामले को राज्य सरकार ट्रिब्यूनल से वापस ले लेगी। राज्य सरकार ने इससे पहले गोरखा समुदाय पर भी इसी तरह का निर्णय लिया था। कोच-राजबोंगशी अपनी जड़ें कामाता साम्राज्य से जोड़ते हैं, जिसमें वर्तमान असम, पश्चिम बंगाल, नेपाल और बांग्लादेश के कुछ हिस्से शामिल थे। वे वर्तमान में इन क्षेत्रों में फैले हुए हैं। ऑल कोच-राजबोंगशी स्टूडेंट्स यूनियन के संजीव कोच ने कहा कि इन मामलों को वापस लेना हमारे समुदाय की लंबे समय से चली आ रही मांग थी। हमारा राज्य असम के 12 जिलों, पश्चिम बंगाल के छह, बांग्लादेश के तीन और नेपाल के दो जिलों में फैला हुआ था और हमारे लोग इन सभी जगहों पर फैले हुए थे। जब बांग्लादेश का अलग देश बना था, तो कुछ लोग बांग्लादेश के रंगपुर और मैमनसिंह जैसे इलाकों से आए थे, लेकिन वे हमारे समुदाय के लोग हैं, हमारी धरती से हैं। फिर भी उनके साथ बांग्लादेशियों जैसा व्यवहार किया गया। यह बहुत लंबे समय से राजनीतिक उत्पीड़न था इसलिए हम इस फैसले का स्वागत करते हैं।

सड़क पर नमाज से ...

नहीं की गई है कि वे सड़कों पर नमाज अदा करना चाहते हैं। कांग्रेस सांसद की टिप्पणी से यह धारणा बनी है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में केवल एक समुदाय ने योगदान दिया। सांसद केवल एक समुदाय की भूमिका को उजागर करने की हद तक चले गए। महात्मा गांधी, गोपीनाथ बोरदोलोई, सुभाष चंद्र बोस या अन्य प्रमुख हस्तियों का कोई उल्लेख नहीं किया गया। सीएम शर्मा ने कहा कि यह केवल संसद में असम के एक विशेष सांसद का अतिवादी बयान हैं, जिसने हमें दुखी किया है और हम इसके बारे में शर्मिंदा महसूस कर रहे हैं। असम के लोग समय आने पर ऐसे लोगों को सबक सिखाएंगे। पंचायत चुनाव को लेकर शर्मा ने कहा कि यह सभी चुनावों में अच्छा होगा। क्योंकि असम के लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बहुत भरोसा है। गोगोई ने वक्फ संशोधन विधेयक पर बहस के दौरान मुसलमानों को सड़कों पर ईद की नमाज अदा करने से कथित तौर पर रोकने के लिए सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया था। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम कैबिनेट ने कोच राजबंशी समुदाय के लोगों के खिलाफ विदेशी न्यायाधिकरणों में लंबित सभी मामलों को हटाने का फैसला किया है। वे अब *डी* या संदिग्ध मतदाता का टैग नहीं रखेंगे। राज्य के विभिन्न विदेशी न्यायाधिकरणों में समुदाय के लोगों के खिलाफ 28,000 मामले लंबित हैं। कैबिनेट ने तत्काल प्रभाव से मामलों को हटाने का ऐतिहासिक फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि कोच राजबंशी राज्य का एक स्वदेशी समुदाय है और वे हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने का एक अभिन्न हिस्सा हैं। इस समुदाय के लोग गरीब हैं और पिछले कई सालों में उन्होंने काफी कुछ सहा है। कोच राजबोंगशी की असम, पश्चिम बंगाल, मेघालय और बांग्लादेश, नेपाल और भूटान के कुछ हिस्सों में अच्छी खासी मौजूदगी है और वे अनुसूचित जनजाति का दर्जा मांगते हैं।

नेडा संयोजक...

के एक प्रतिनिधिमंडल ने शर्मा से मुलाकात की, हालांकि उनकी चर्चा का विवरण अभी तक नहीं बताया गया है। हालांकि, लिलोंग विधानसभा क्षेत्र के विधायक अब्दुल नासिर ने सोशल मीडिया पर बताया कि इस बैठक का उद्देश्य राज्य में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना था। प्रतिनिधिमंडल में गोविंदास कोंथौजम (बिष्णुपुर), लीशांगथेम सुसिंद्रो मेइतेई (खुरई), ख जैसे प्रमुख विधायक शामिल थे। इबोम्चा सिंह (लमलाई), ठा. शांति सिंह (मोइरंग), रामेश्वर मयांगलामबम सिंह (काकचिंग), श्यामकुमार थौनाओजम (एंड्रो), और भाजपा मणिपुर के महासचिव के. शरत कुमार। शर्मा की आगामी यात्रा से महत्वपूर्ण राजनीतिक निहितार्थ होने की उम्मीद है क्योंकि मणिपुर सामाजिक-राजनीतिक अशांति से जूझ रहा है। नेडा और भाजपा के नेतृत्व वाले पूर्वोत्तर शासन ढांचे के भीतर उनका नेतृत्व उन्हें क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों के बीच चर्चाओं में मध्यस्थता करने के लिए एक महत्वपूर्ण पद पर रखता है। मणिपुर में जातीय तनाव, शासन और कानून-व्यवस्था से संबंधित चुनौतियों के मद्देनजर शर्मा की बैठक में राज्य के नेताओं के साथ उच्च स्तरीय चर्चा शामिल होने की उम्मीद है, ताकि जमीनी स्थिति का आकलन किया जा सके और शांति एवं स्थिरता के लिए संभावित रोडमैप की रूपरेखा तैयार की जा सके।

हिमंत ने तिनसुकिया ...

ऐतिहासिक *न-पुखुरी* तालाब पर *चैत्र छठ* मनाने के लिए स्थानीय अधिकारियों द्वारा दी गई अनुमति का विरोध किया था। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के वार्ता-विरोधी गुट ने भी ऐतिहासिक तालाब के तट पर हिंदी भाषी समुदाय को *छठ* मनाने की अनुमति देने के कदम का विरोध किया और जिला प्रशासन और तिनसुकिया नगर निगम से अनुमति देने के अपने फैसले की समीक्षा करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी को भी किसी भी समुदाय को कोई भी त्योहार मनाने या प्रार्थना करने से नहीं रोकना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं किसी समुदाय को दोष नहीं देना चाहता, लेकिन किसी भी त्यौहार को मनाने में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। लोग दुर्गा पूजा, ईद, छठ, नाम-कीर्तन या कोई भी अन्य त्यौहार मनाने के लिए स्वतंत्र हैं। शर्मा ने कहा कि यदि किसी स्थान को लेकर कोई विवाद है तो उसे बातचीत और चर्चा के जरिए सुलझाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों के बाद मैं इस मुद्दे को सुलझाने के लिए अपने मंत्रिमंडल के दो वरिष्ठ मंत्रियों को तिनसुकिया भेजूंगा। उन्होंने कहा कि दोनों समुदायों के बीच मतभेद दूर होने चाहिए और शांति एवं सद्भाव का माहौल कायम होना चाहिए। पूर्वी असम का एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र तिनसुकिया, जिसमें हिंदी भाषी आबादी काफी अधिक है, पिछले महीने भी विवाद के केंद्र में था, जब भाजपा की स्थानीय इकाई ने *बिहार दिवस* मनाने की योजना की घोषणा की थी। इस कदम की ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू), रायजोर दल और एआईयूडीएफ सहित विभिन्न स्थानीय संगठनों ने आलोचना की और आरोप लगाया कि इसके पीछे राजनीतिक मंशा है। अंततः कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने इस आपत्ति को *निराधार* बताया था और चेतावनी दी थी कि इससे सांप्रदायिक तनाव पैदा हो सकता है और राज्य से बाहर रहने वाले असमिया लोगों को इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

फिल्म अभिनेता मनोज कुमार ...

गई। रिपोर्ट ने यह भी पुष्टि की गई कि मनोज कुमार पिछले कुछ महीनों से डीकंपेंसेटेड लिवर सिरोसिस से जूझ रहे थे। उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें 21 फरवरी, 2025 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मनोज कुमार को अपनी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाना जाता था। उनकी देश प्रेम वाली फिल्मों के लिए उन्हें भारत कुमार के नाम से भी जाना जाता था।

मणिपुर के घाटी जिलों ...

पूर्व जिले के चिंगरेल तेजपुर से पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का एक सदस्य, कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (सिटी मैतेई) का एक सदस्य, जो जिले के फाकनुंग सांगोमशांग स्थित अपने घर से गिरफ्तार किया गया। इसी तरह से सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर जिले के मोइरांग खुनौ से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) का एक सक्रिय सदस्य, केसीपी (नयन) के दो सदस्य जो कीराओ वांगखेम ममंग लेकाई से और प्रतिबंधित संगठन यूपीपीके के दो और सदस्य इंफाल पूर्व से गिरफ्तार किया। इन ऑपरेशनों के दौरान, सुरक्षा बलों ने पहाड़ी और घाटी जिलों में सर्च और क्षेत्र प्रभुत्व मिशन किए। कंगपोकपी जिले के न्यू केइथलमांबी पुलिस थाना के तहत मोंगपी रिज क्षेत्र में बलों ने विभिन्न प्रकार के हथियार, जिनमें राइफल, पिस्तौल, बम और यहां तक कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी शामिल थे, बरामद किए। जब्त किए गए सामानों में दो रेडियो सेट, विभिन्न कैलिबर के पॉम्पी बम और विभिन्न आग्नेयास्त्रों के लिए गोला-बारूद शामिल थे। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने एक कुकी सशस्त्र समूह की तरफ से कथित रूप से बनाए गए 13 बंकरों को नष्ट किया। वहीं, इंफाल पूर्व जिले के याइंगंगपोकपी क्षेत्र में, सुरक्षा बलों ने ट्विचिन और सैबोल गांवों से बम, बंदूकें और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की बड़ी खेप बरामद की। इस खजाने में बर्मा निर्मित इलेक्ट्रॉनिक आईईडी, 12 बोर गोला-बारूद और विभिन्न कैलिबर के पॉम्पी बम शामिल थे। एक उग्रवादी से एक पिस्तौल भी एक बरामद की गई।

हिंदुओं पर हमले ...

चर्चा के दौरान बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की भारत की इच्छा को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने यह भी आग्रह किया कि माहौल को खराब करने वाली किसी भी बयानबाजी से बचना चाहिए। उन्होंने सीमा पर कानून का सख्त पालन करने और अवैध सीमा पार करने की घटनाओं की रोकथाम के लिए सीमा सुरक्षा को सख्त बनाने पर भी बल दिया। साथ ही प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर भारत की चिंताओं को भी रेखांकित किया। हम आपको बता दें कि बांग्लादेश बिम्सटेक समूह का आगामी अध्यक्ष है।

लोस से गैरहाजिर टीएमसी...

दिए हैं। अनुपस्थित रहने वाले सदस्यों में घाटल के सांसद व अभिनेता दीपक अधिकारी उर्फ देव, बीरभूम की सांसद और अभिनेत्री शताब्दी राय और कूचबिहार के सांसद जगदीश चंद्र बसुनिया शामिल हैं। इनमें बसुनिया ने 2024 के लोकसभा चुनाव में कूचबिहार से पहली बार जीत दर्ज की थी। लोकसभा में तृणमूल के मुख्य सचेतक कल्याण बनर्जी ने कहा कि ये तीनों सदस्य संसद में वक्फ पर बहस के दौरान मौजूद नहीं थे। तृणमूल सूत्रों के अनुसार, इनमें से केवल देव ने ही संसदीय दल के सदस्य को बताया था कि वह शूटिंग के लिए झारखंड में हैं। इसलिए वह संसद में उपस्थित नहीं हो सकेंगे। बाकी दोनों सांसदों ने अपनी अनुपस्थिति को लेकर पार्टी को जानकारी नहीं दी थी। इस संबंध में कूचबिहार के सांसद जगदीश चंद्र बसुनिया ने कहा कि अचानक एक अप्रैल को मुझे पता चला कि अगले दिन वक्फ विधेयक पेश किया जाएगा। मैं एक पारिवारिक समस्या में फंस गया था, इसलिए मैं नहीं जा सका। अगर मुझे थोड़ा पहले पता होता तो मैं निश्चित रूप से उस दिन संसद की कार्यवाही में शामिल हो जाता।

असम कैबिनेट ने ...

प्रेस कांफ्रें

एसीएस अधिकारी तनबीर और मसूम अहमद के घर पर सीएम विजिलेंस टीम का छापा

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री की विजिलेंस टीम ने शुक्रवार तड़के एसीएस अधिकारी तनबीर यूसुफ अहमद (एएलआरएस) और उनके भाई मसूम अहमद के घरों पर छापा मारा। यह कार्रवाई भूमि घोटाले में संलिप्तता के आरोपों के तहत की गई। छापेमारी सुबह 5 बजे गुवाहाटी के ज्योति प्रसाद अग्रवाला रोड, बायलेन नंबर 5, हाउस नंबर 20, भेटापाड़ा स्थित तनबीर यूसुफ अहमद के घर से शुरू हुई। मुख्यमंत्री के विशेष मॉनिटरिंग सेल द्वारा इस ऑपरेशन को अंजाम दिया गया, जो अवैध संपत्ति अर्जित करने के आरोपों की जांच कर रहा है। जांच एजेंसियों ने इस मामले में केस नंबर 8/2025 और 9/2025 दर्ज किए हैं। जानकारी के मुताबिक, मसूम अहमद पहले बजाली में राजस्व सर्कल अधिकारी के रूप में कार्यरत थे और 25 फरवरी 2025 को निलंबित कर दिए गए थे। वहीं, तनबीर अहमद मार्च 2024 में दरंग जिले के दलगांव में राजस्व सर्कल अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए थे, लेकिन दिसंबर 2024 में उनका तबादला कर दिया गया। हालांकि, उन्होंने वहां पद छोड़ने से इनकार कर दिया और स्थानीय विधायक के समर्थन से अपनी पोस्टिंग बनाए रखने की कोशिश की। सूत्रों के अनुसार, तनबीर अहमद पर दलगांव में रहते हुए अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने और कारोबार करने की अनुमति लेने के भी आरोप हैं। उन्होंने स्थानीय विधायक के साथ मिलकर कई अवैध कार्यों में भाग लिया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह दलगांव छोड़ना नहीं चाहते थे। इस बीच, विजिलेंस टीम ने तनबीर अहमद की पत्नी और एसीएस अधिकारी रीतिमणि दास के गुवाहाटी के जापरीगोग स्थित आवास पर भी छापा मारा। उस समय रीतिमणि वहां मौजूद नहीं थीं, लेकिन टीम उन्हें अपने साथ ले गई और फिर उनके मंगलदै स्थित किराए के घर पर भी छापा मारा। यह कार्रवाई अब भी जारी है।

राभा हासोंग स्वायत्तशासित परिषद चुनाव की मतगणना शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। राभा हासोंग स्वायत्तशासित परिषद (आरएचएसी) चुनाव की गणना शुक्रवार सुबह शुरू हो गई और देर शाम तक परिणाम आ जाएंगे। गत 2 अप्रैल को स्वायत्तशासित परिषद के 36 में से 33 सीटों के लिए 68.58 प्रतिशत मतदान हुआ था। राभा हासोंग स्वायत्तशासी परिषद की 36 सीटें हैं, जिनमें 20 सीटें ग्वालपाड़ा जिले के और 16 पंचायतें कामरूप जिले के अंतर्गत हैं। इस चुनाव में ग्वालपाड़ा जिले के वार्ड 20 नं. जयरामकुची पंचायत में भाजपा समर्थित उम्मीदवार प्रेमाजली राभा, कामरूप जिले के 23 नं. खालिहाकोट पंचायत में राभा हासोंग संयुक्त संघर्ष समिति के उम्मीदवार नगरमल स्वर्गीयारी और 25 नं. हाहिम पंचायत में राभा हासोंग संयुक्त संघर्ष समिति के उम्मीदवार सोनाराम राभा पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके हैं। आज सुबह मतगणना शुरू हो गई है। इसके लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। गत 2 अप्रैल को 33 सीटों के लिए मतदान हुआ था।

कचुतोली में फिर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, 70 से अधिक घर तोड़े गए

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन ने शुक्रवार को सोनापुर के कचुतोली इलाके में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। सुबह के समय भारी सुरक्षा बल के साथ प्रशासन की एक बड़ी टीम ने कचुतोली में प्रवेश किया और सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बसाए गए घरों को हटाने की कार्रवाई की। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर में प्रशासन ने कचुतोली के जनजातीय क्षेत्र की भूमि से हजारों परिवारों को हटाया था, जो कथित रूप से अवैध रूप से वहां रह रहे थे। लेकिन हाल ही में कुछ लोगों ने फिर से वहां घर बसाने की कोशिश की, जिसे लेकर प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए आज फिर से अभियान चलाया। इस कार्रवाई के लिए प्रशासन ने पहले से ही एक बड़ी पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम तैयार की थी। इस दौरान 70 से अधिक नए बने घरों को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि इस जमीन को सरकारी परियोजनाओं के लिए चिह्नित किया गया है, इसलिए यहां किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण स्वीकार्य नहीं है। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान सोनापुर के राजस्व अधिकारी सहित कई उच्च पदस्थ अधिकारी भी मौजूद थे। प्रशासन ने साफ किया है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यदि दोबारा किसी ने यहां बसने की कोशिश की, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार आरोपी

ग्वालपाड़ा (हिंस)। निगरानी एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम को एक शिकायत मिली थी कि ग्यास उद्दीन नामक व्यक्ति ने जिला परिवहन कार्यालय, ग्वालपाड़ा के कर्मचारी की मिलीभगत से वाहन स्वामित्व हस्तांतरण के लिए शिकायतकर्ता से 17 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता ने रिश्वत देने से इनकार करते हुए निदेशालय से उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की। इसके तहत शुक्रवार को निदेशालय की टीम ने जिला परिवहन अधिकारी और सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, ग्वालपाड़ा के कार्यालय में जाल बिछाया। इस दौरान ग्यास उद्दीन को आठ हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। यह रिश्वत शिकायतकर्ता से जिला परिवहन कार्यालय के कर्मचारी की मिलीभगत से मांगी गई थी। ग्यास उद्दीन पूर्व होमगार्ड है। उसके पास से रिश्वत की राशि बरामद कर जब्त कर ली गई है। स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में कार्रवाई की गई।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और लर्निंग इनोवेटिव एनालिस्ट पर आवासीय कोशल विकास के लिए आईआईटी संस्थान गुवाहाटी ने किए हस्ताक्षर

गुवाहाटी। एक ऐतिहासिक पहल के तहत, असम सरकार के श्रम कल्याण विभाग के तहत असम बिल्डिंग और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग इनोवेटिव एनालिस्ट पर आवासीय कौशल विकास कार्यक्रम के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल के तहत, असम भर में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के परिवारों से लगभग 100 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया जाएगा और उन्हें उच्च मांग वाले डिजिटल कौशल से लैस किया जाएगा जो एक उज्जवल, आत्मनिर्भर भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा। आज आईआईटी, गुवाहाटी के डीन (आरएंडडी) प्रोफेसर रोहित सिन्हा और असम की श्रम आयुक्त-सह-सदस्य सचिव, एबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी की ओर से माननीय मंत्री श्री रूपेश गोवाला, श्रम कल्याण और चाय जनजाति विभाग-सह-अध्यक्ष, एबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. बी. कल्याण चक्रवर्ती, आईएएस, श्रम कल्याण विभाग, प्रोफेसर देवेंद्र जलिहाल, निदेशक, आईआईटी गुवाहाटी, प्रोफेसर हेमंत कौशिक, डीन, आउटरीच, शिक्षा और सेवा (ओईएस), और प्रोफेसर गौरव त्रिवेदी, प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर, दक्ष गुरुकुल, आईआईटीजी, मुन्ना भगत, आईटी के नोडल अधिकारी भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर और आदान-प्रदान कार्यक्रम के दौरान मौजूद थे। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, प्रो. देवेंद्र जलिहाल ने कहा कि यह सहयोग उद्यमिता के लिए समावेशी कौशल के माध्यम से राष्ट्रीय विकास के लिए आईआईटी गुवाहाटी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, असंगठित क्षेत्र के युवाओं को एआई/एमएल में अत्याधुनिक ज्ञान के साथ सशक्त बनाना सीधे तौर पर एक

आत्मनिर्भर, प्रौद्योगिकी-संचालित भारत में योगदान देने के हमारे दृष्टिकोण के साथ संरेखित करता है। प्रो. हेमंत कौशिक ने कहा कि हमारा मानना है कि प्रीमियर शिक्षा और प्रशिक्षण तक पहुंच पृष्ठभूमि द्वारा सीमित नहीं होनी चाहिए। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से, हमारा लक्ष्य उन समुदायों तक पहुंचना है, जिन्हें आईटी पारिस्थितिकी तंत्र में ऐतिहासिक रूप से कम प्रतिनिधित्व दिया गया है, और वास्तव में अवसर का लोकतंत्रीकरण करना है। कार्यक्रम के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए, प्रो. गौरव त्रिवेदी ने साझा किया कि दक्ष गुरुकुल को बदलाव के लिए उत्प्रेरक के रूप में डिजाइन किया गया है। हम केवल प्रशिक्षण ही नहीं दे रहे हैं-हम एक ऐसा मंच प्रदान कर रहे हैं जहां प्रतिभा को अवसर मिलते हैं, मार्गदर्शन, वास्तविक दुनिया की परियोजनाओं और आवासीय शिक्षण अनुभव द्वारा समर्थित होते हैं जो कौशल और आत्मविश्वास दोनों का निर्माण करते हैं। यह समझौता ज्ञापन एक दस्तावेज से कहीं अधिक है; यह विकसित भारत के लिए एक कुशल, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी पीढ़ी को आकार देने की प्रतिबद्धता है। माननीय मंत्री रूपेश गोवाला ने आईआईटी गुवाहाटी प्राधिकरण से सभी उम्मीदवारों को विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट के साथ-साथ विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करने का अनुरोध किया। डॉ. बी. के. चक्रवर्ती ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वास्तविक जीवन के व्यावहारिक अनुभवों से जुड़ा कौशल न केवल उद्योगों के मानक को पूरा करेगा, बल्कि नवीन तकनीकों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और उद्यमिता के अवसर भी प्रदान करेगा। असम के युवा अपनी नियमित आय और आजीविका में सुधार के लिए नए कौशल सीखने में बहुत सक्रिय हैं।

द्वारकुची में एबीएमएसयू का विरोध प्रदर्शन

जलाई गई वक्फ संशोधन विधेयक की प्रति

कामरूप (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत रंगिया के पास द्वारकुची में आज अखिल असम बोडो अल्पसंख्यक छात्र यूनियन (एबीएमएसयू) ने स्थानीय लोगों के सहयोग से विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ किया गया, जिसे लेकर एबीएमएसयू के सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान भारत-भूटान अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग पर इस विधेयक की प्रतिलिपि जलाई गई और सरकार के खिलाफ धरना भी आयोजित किया गया। एबीएमएसयू का आरोप है कि यह कानून भारतीय संविधान द्वारा मुस्लिम समुदाय को दिए गए मौलिक अधिकारों को कमजोर करने का एक प्रयास है। उनका दावा है कि इस विधेयक के जरिए मुस्लिम समुदाय पर अनावश्यक कानूनी दबाव डाला जा रहा है, जिसे वे किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं करेंगे। प्रदर्शन स्थल के रूप में रंगिया के पास द्वारकुची क्षेत्र को चुना गया, जहां प्रदर्शनकारियों के सैकड़ों सदस्य और समर्थक एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने भारत-भूटान अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग पर विरोध जताकर अपने गुस्से और असंतोष को व्यक्त करने की कोशिश की। उन्होंने विधेयक की प्रतिलिपि जलाने के साथ सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

नंदी सिस्टर्स ने पुरस्कार समारोह में अपने गाने का विमोचन कर दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

गुवाहाटी। नंदी सिस्टर्स ने हाल ही में असम बैभव, असम सौरभ और असम गौरव पुरस्कार 2024 समारोह में एक मनमोहक प्रस्तुति दी। जिसमें उन्होंने एक भावपूर्ण संगीतमय संध्या को दर्शकों के समक्ष पेश किया, यह पेशकश असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समर्पित थी। उनकी प्रस्तुति ने राज्य की विविध संगीतीय परंपराओं को खूबसूरती से दर्शाया और दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। इस शाम का एक विशेष आकर्षण रहा उनका नवीनतम सेमी-क्लासिकल ओरिजिनल गीत *रंग जा* का लाइव लांच। यह गीत अंतरा नंदी द्वारा कंपोज किया गया था, जिसे अंतरा और अंकिता नंदी दोनों ने मिलकर गाया है और इसमें प्रतिभाशाली कुमार शर्मा ने अपनी प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम के दौरान गीत के म्यूजिक वीडियो का विमोचन आधिकारिक रूप से किया गया, जिसमें असम के माननीय मुख्यमंत्री, राज्यपाल, मंत्रालय के सदस्य और शीर्ष सरकारी अधिकारी उपस्थित थे। गीत और नंदी सिस्टर्स की प्रस्तुति को गणमान्य अतिथियों और दर्शकों की ओर से भारी सराहना और तालियों की गूंज प्राप्त हुई। *रंग जा* का औपचारिक म्यूजिक विडिओ यूट्यूब पर उपलब्ध है जिसके लिए इस लिंक पर जाएं।

इंटरनेट पर बाल अधिकारों को लेकर असम पुलिस आयोजित करेगी *इंफैंटिया*

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस शिशु मित्र, पीआईआईआर फाउंडेशन और यूनिसेफ इंडिया के सहयोग से 7 अप्रैल को सुबह 10-00 बजे से दोपहर 2-00 बजे तक गुवाहाटी के एक निजी होटल में *इंफैंटिया* का आयोजन करेगी। यह भारत का पहला राष्ट्रीय संवाद होगा जो इंटरनेट पर बच्चों के अधिकारों पर केंद्रित है। यह आयोजन असम पुलिस के पुरस्कृत अभियान *डोन्ट बीए शेयरेंट* की सफलता पर आधारित है। इंफैंटिया डिजिटल दुनिया में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और ऑनलाइन स्पेस के उनके बचपन को कैसे प्रभावित कर रहे हैं, इस पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण असम के पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह का मुख्य भाषण होगा। असम पुलिस ने आज कहा कि हमें केवल कानून और नीतियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि बचपन के रक्षक बनना चाहिए। इंटरनेट अब इस यात्रा का एक अनिवार्य हिस्सा है और असम पुलिस इस राष्ट्रीय संवाद का नेतृत्व करने पर गर्व महसूस कर रही है। कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री और पेरेंटिंग इन्फ्लुएंसर नेहा धूपिया गेस्ट स्पीकर के रूप में शामिल होंगी और फिल्म, ओटीटी और इंटरनेट संस्कृति का बच्चों पर प्रभाव विषय पर फायरसाइड चैट करेंगी। इसके अलावा, कपिल बोरा और जेरीफा वाहिद विशेष सिनेमा परफॉर्मेंस के माध्यम से डिजिटल युग में पेरेंटिंग को प्रदर्शित करेंगे। इस दौरान आयोजित सत्र में बच्चों के वास्तविक और डिजिटल अधिकारों के बीच की खाई को पाटने पर चर्चा, स्क्रीन एज में पेरेंटिंग पर संवाद, पीआईआईआर फाउंडेशन के संस्थापक सालिक खान द्वारा डिजिटल पेरेंटिंग वर्कशॉप और नई शोध रिपोर्ट प्रस्तुतिकरण आदि होगा। इंफैंटिया, डिजिटल दुनिया को बच्चों के लिए अधिक सुरक्षित और समावेशी बनाने की दिशा में असम पुलिस की एक महत्वपूर्ण पहल है। यह कार्यक्रम बाल अधिकारों की सुरक्षा को लेकर नीति, समुदाय और संस्कृति में बदलाव लाने की दिशा में एक नई प्रेरणा देगा।

हाथीगांव किशोरी लापता मामले में नया मोड़

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के हाथीगांव थाना क्षेत्र से लापता हुई किशोरी का मामला नया मोड़ ले चुका है। शुक्रवार सुबह किशोरी खुद हाथीगांव थाने पहुंची, लेकिन पुलिस के सामने उसने पहले दिए गए बयान से पलटते हुए नई जानकारी दी। किशोरी के अनुसार, उसकी मां उसे मुंहबोले मामा से शादी कराने की कोशिश कर रही थी। लेकिन इस फैसले से असहमत होकर वह घर छोड़कर अपनी सहेली के घर चली गई थी। किशोरी ने यह भी आरोप लगाया कि उसके मामा का उससे शारीरिक संबंध था। वहीं, इस मामले में पहले से घिरे अमिनुल खान पर आरोप है कि जब वह किशोरी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराने गया, तो एसआई जुएल दास ने उसकी पिटाई कर दी थी।

तीन दिवसीय विद्या कोटी कुमकुमार्चन महायज्ञ में राज्यपाल ने भाग लिया

गुवाहाटी (विभास)। फैंसी बाजार सांगानेरिया धर्मशाला में आयोजित तीन दिवसीय श्री विद्या कोटी कुमकुमार्चन महायज्ञ के दूसरे दिन राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और राज्य की प्रथम महिला कुमुद देवी आचार्य ने भाग लिया। यह महायज्ञ परम पूज्य अभिषेक ब्रह्मचारी के मार्गदर्शन में तीन दिन तक चलेगा। रविवार को प्रात: 9 बजे पूर्णाहुति की जाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य मानव कल्याण और धार्मिक परंपराओं को बढ़ावा देना है। समारोह में राज्यपाल और कुमुद देवी आचार्य ने दीप प्रज्ज्वलित किया और पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उनके साथ पूजनीय अभिषेक ब्रह्मचारी, युवा चेतना की राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह, श्री प्रकाश तिवाडी उपस्थित थे। राज्यपाल को गेरुवा दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सूरजमल जुहार मल सांगानेरिया धर्मशाला ट्रस्ट की ओर से सुशील सांगानेरिया, अजय सांगानेरिया, कैलाश सांगानेरिया, देव सांगानेरिया सुनील शर्मा सीए, और

जयप्रकाश गोयनका ने भी राज्यपाल का फुलाम गमछा से अभिनंदन किया। रितु अग्रवाल ने राज्य की प्रथम महिला कुमुद देवी का फुलाम गमछा से अभिनंदन किया। युवा समाजसेवी कन्हैया लाल जायसवाल ने भी राज्यपाल का अभिनंदन किया। राज्यपाल ने अपने संबोधन में इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों को समाज और मानवता के लिए महत्वपूर्ण बताया और भारत की सांस्कृतिक विरासत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा विश्व शांति के लिए अग्रणी भूमिका निभाई है और ऐसे आयोजनों से देश का गौरव बढ़ता है। कार्यक्रम का संचालन युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक और कार्यक्रम के आयोजनकर्ता रोहित कुमार सिंह ने किया इससे पहले प्रात: काल के समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन की भी उपस्थिति रही, जिन्होंने अभिषेक ब्रह्मचारी की सेवाओं की सराहना की और समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला।

राज्यपाल ने आशा स्कूल का दौरा किया, ऑटिज्म के बारे में जागरूकता फैलाई

गुवाहाटी। ऑटिज्म के बारे में जागरूकता फैलाने और दिव्यांगजनों के लिए समावेशिता के महत्व को उजागर करने के लिए, असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज नारंगी के 51 सब एरिया में स्थित आशा स्कूल का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि आशा स्कूल आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा संचालित एक नेक प्रयास है, जहां विशेष जरूरतों वाले बच्चों (दिव्यांगजन) को पढ़ाया जाता है ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें। राज्यपाल ने अपने दौरे के दौरान नारंगी मिलिट्री स्टेशन में स्कूल के परिसर में आशा पुनर्वास केंद्र में हाइड्रोथेरेपी कांप्लेक्स का भी उद्घाटन किया। राज्यपाल का यह दौरा 2 अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के वैश्विक पालन के अनुरूप था, जो ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों की उपलब्धियों और क्षमता का सम्मान करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। राज्यपाल श्री आचार्य ने इन बच्चों को वे सभी अवसर प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया जिनके वे हकदार हैं। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल श्री आचार्य ने विद्यालय प्रशासन तथा दिव्यांग बच्चों के कल्याण एवं विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि हम सभी ईश्वर की संतान हैं।

हमारे जन्म की परिस्थितियों पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है। इसलिए हमें सभी को सहानुभूति एवं समानता के साथ अपनाना चाहिए। भारतीय संस्कृति में सेवा की भावना को सर्वोच्च स्थान दिया गया है तथा समाज के कल्याण में योगदान देना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। राज्यपाल ने सभी से *सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया:* के भारतीय दर्शन को अपनाने का आग्रह किया तथा इस बात पर जोर दिया कि एक समृद्ध समाज वह होता है जो अपने सभी बेटों एवं बेटियों का उत्थान करता है, चाहे उनकी चुनौतियां कुछ भी हों। राज्यपाल श्री आचार्य ने सेना के अधिकारियों एवं शिक्षकों के अथक प्रयासों की प्रशंसा की जो बच्चों को गुणवत्तापूर्ण देखभाल एवं सहायता प्रदान करने के लिए नि:स्वार्थ भाव से काम करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि मैं आशा स्कूल के कर्मचारियों और प्रशासन द्वारा दिखाए गए समर्पण और करुणा से वास्तव में अभिभूत हूं। स्कूल के प्रयास जीवन को बदल रहे हैं और एक अधिक समावेशी समाज का निर्माण कर रहे हैं। सही संसाधनों और सहायता के साथ, हर बच्चा आगे बढ़ सकता है, और आशा स्कूल इस विश्वास का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समावेशिता और समानता के दृष्टिकोण के अनुरूप, राज्यपाल आचार्य ने यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि प्रत्येक व्यक्ति को, उनकी क्षमताओं की परवाह किए बिना, समान अवसरों तक पहुंच प्राप्त हो, जो समाज में सार्थक योगदान दे सके। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण सभी को प्रत्येक व्यक्ति की विशिष्टता को पहचानने और उसका सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित करता है। *विशेष रूप से सक्षम व्यक्ति हमारे समाज का एक अभिन्न अंग हैं, और यह सुनिश्चित करना हमारी ज़िम्मेदारी है कि उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए समान अधिकार और अवसर मिलें।* राज्यपाल श्री आचार्य ने विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों की सहायता के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई पहलों पर भी प्रकाश डाला, जैसे कि दीन दयाल दिव्यांगजन सहायता योजना। इस योजना के साथ-साथ अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों से राज्य में बहुत से लोगों को लाभ मिल रहा है।

बारीमुख के डीआईईटी परिसर में विशेष स्वास्थ्य एवं आरोग्य शिविर का शुभारंभ

गुवाहाटी। *स्वस्थ समाज, स्वस्थ असम* थीम पर आज बारीमुख स्थित डीआईईटी परिसर में जिला स्तरीय विशेष स्वास्थ्य एवं आरोग्य शिविर का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में बीटीसी विधानसभा के माननीय अध्यक्ष कटिराम बोड़ो, बाक्सा के जिला आयुक्त श्री गौतम दास, एडीसी जीतूराज गोगई, बाक्सा के स्वास्थ्य सेवा के संयुक्त निदेशक (प्रभारी) डॉ. सचिंद्र दास और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं अधिकारी उपस्थित थे। शिविर में 300 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने दिन भर दी जाने वाली विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस पहल का उद्देश्य निवारक स्वास्थ्य सेवा के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना और नागरिकों को चल रहे विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में सूचित करना है। ये विशेष

स्वास्थ्य एवं आरोग्य शिविर लोगों को संचारी और गैर-संचारी दोनों तरह की बीमारियों की रोकथाम के बारे में शिक्षित करने के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किए गए हैं। शिविर में प्रदान की जाने वाली प्रमुख सेवाओं में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जांच, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मौखिक कैंसर और मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों की जांच, साथ ही तपेदिक, कुष्ठ रोग, मलेरिया और सिकल सेल रोग के लिए परीक्षण और परामर्श शामिल थे। अतिरिक्त सेवाओं में आंख, कान, नाक और दंत चिकित्सा देखभाल, टेली परामर्श, सामान्य स्वास्थ्य जांच, योग और ध्यान सत्र, पोषण परामर्श और समग्र स्वास्थ्य और कल्याण पर केंद्रित जन जागरूकता गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल थी।

संपादकीय

भारत पर 'जैसे को तैसा टैरिफ'

जैसा कि पूर्व घोषित था, उसी के मुताबिक अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंरप ने 26 फीसदी 'जैसे को तैसा टैरिफ' भारत पर थोपने की घोषणा की है। इसे 'मुक्ति-दिवस' कहा जा रहा है। इस जमात में जापान, वियतनाम, स्विट्जरलैंड, कंबोडिया, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, ब्राजील और सिंगापुर आदि देश भी शामिल हैं, लेकिन अमरीका ने भारत के संदर्भ में यह 'दोस्ती का ढोल' पीटने के बावजूद किया है। हालांकि भारत-अमरीका के बीच 43 लाख करोड़ रुपए का 'व्यापार सौदा' भी निर्णायक चरण में है। इस साल के अंत तक इस पर मुहर लगाई जा सकती है। क्या उस व्यापारिक विमर्श में टैरिफ का मुद्दा शामिल नहीं किया जा सकता था? एलन मस्क की टेस्ला कार, प्रीमियम बाइक हार्ले डेविडसन और अमरीकी बर्बन व्हिस्की आदि पर भारत पहले ही टैरिफ-कटौती की घोषणा कर चुका है। अमरीका अपना गेहूं, सेब, बेबी कॉर्न, मक्का सहित कई अन्य अनाज भी भारत में खपाना चाहता है। क्या भारत अनाजों की पैदावार में सक्षम नहीं है? यदि हम सक्षम हैं, तो 'जैसे को तैसा टैरिफ' झेलने या उससे डरने की कोई जरूरत नहीं है। भारत विश्व की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है, लिहाजा सबसे बड़ा बाजार भी है। चीन भी भारत के साथ अपने कारोबारी समीकरणों, खासकर आयात, को विस्तार देने के पक्ष में है। यदि अमरीका के साथ, टैरिफ चस्पां करने के बाद, व्यापार प्रभावित होता है, तो यूरोप और एशिया में नई संभावनाएं तलाश की जा सकती हैं। भारत का 'यूरोपीय संघ' के साथ 'मुक्त व्यापार समझौता' भी आखिरी दौर में है। भारत के कुल व्यापार का करीब 14 फीसदी यूरोपीय संघ के साथ होता है, जबकि अमरीका के साथ करीब 18 फीसदी है। बहुत ज्यादा फासला नहीं है। इसे बढ़ा कर भरपाई की जा सकती है। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अमरीका के देश भी भारत के नए व्यापारिक साझेदार बनने को तैयार हैं। राष्ट्रपति ट्रंरप के टैरिफ को मात देने का सबसे कारगर तरीका यह है कि बाकी देश आपस में मौजूदा टैरिफ के आधार पर ही वसूली करें। इससे अमरीका दुनिया के व्यापारिक दायरे में अलग-थलग पड़ सकता है। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंरप 'जैसे को तैसा कर' लगाकर अमरीका की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के पक्षधर हैं, जबकि यह योजना पलटवार साबित हो सकती है। अमरीका में टैरिफ घोषणा के बाद से खलबली मची है। कई क्षेत्रों के व्यापारी और उद्योगपति सकते में हैं। आशंकाएं जताई जा रही हैं कि अमरीकी अर्थव्यवस्था में 35 फीसदी मंदी के आसार हैं। औसतन हर अमरीकी परिवार पर 35,000 रुपए सालाना का बोझ बढ़ सकता है। टैरिफ से आयातित सामान महंगे हो जाएंगे। उपभोक्ता वस्तुएं, ऑटोमोबाइल और खाद्य उत्पाद आदि महंगे हो जाएंगे, नतीजतन महंगाई और उसके साथ-साथ बेरोजगारी भी बढ़ सकती है। खुद राष्ट्रपति ऐसी आशंकाएं जता चुके हैं, लेकिन उनके सलाहकारों के अनुमान हैं कि 'जैसे को तैसा टैरिफ' से अमरीका के खजाने में 43 लाख करोड़ रुपए सालाना का राजस्व आएगा। अमरीका के करीब 200 व्यापारिक साझेदार हैं। उनमें देश, प्रदेश-इलाके, क्षेत्रीय संघ आदि शामिल हैं। टैरिफ वर्ग करीब 12,500 हैं। 'जैसे को तैसा टैरिफ' के बाद कई और नए टैरिफ सामने आएंगे। अमरीकी प्रशासन के लिए उन्हें संभालना मुश्किल होगा। भारत के लिए भी नई चुनौतियां आएंगी। बहरहाल चीन की प्रतिक्रिया भी गौरतलब है। चीनी विदेश मंत्री ने ट्रंरप के टैरिफवाद को 'ब्लैकमेलिंग' करार दिया है। यह अमरीका को कितना फायदा या नुकसान देता है, यह सोचने के बजाय भारत को अपने अनुकूल निर्णय लेने चाहिए।

डोनाल्ड ट्रंरप ने 26 फीसदी 'जैसे को तैसा टैरिफ' भारत पर थोपने की घोषणा की है। इसे 'मुक्ति-दिवस' कहा जा रहा है। इस जमात में जापान, वियतनाम, स्विट्जरलैंड, कंबोडिया, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, ब्राजील और सिंगापुर आदि देश भी शामिल हैं, लेकिन अमरीका ने भारत के संदर्भ में यह 'दोस्ती का ढोल' पीटने के बावजूद किया है। हालांकि भारत-अमरीका के बीच 43 लाख करोड़ रुपए का 'व्यापार सौदा' भी निर्णायक चरण में है। इस साल के अंत तक इस पर मुहर लगाई जा सकती है। क्या उस व्यापारिक विमर्श में टैरिफ का मुद्दा शामिल नहीं किया जा सकता था? एलन मस्क की टेस्ला कार, प्रीमियम बाइक हार्ले डेविडसन और अमरीकी बर्बन व्हिस्की आदि पर भारत पहले ही टैरिफ-कटौती की घोषणा कर चुका है। अमरीका अपना गेहूं, सेब, बेबी कॉर्न, मक्का सहित कई अन्य अनाज भी भारत में खपाना चाहता है। क्या भारत अनाजों की पैदावार में सक्षम नहीं है? यदि हम सक्षम हैं, तो 'जैसे को तैसा टैरिफ' झेलने या उससे डरने की कोई जरूरत नहीं है। भारत विश्व की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है, लिहाजा सबसे बड़ा बाजार भी है। चीन भी भारत के साथ अपने कारोबारी समीकरणों, खासकर आयात, को विस्तार देने के पक्ष में है।

सरकार को पता चला कि इस देश की जमीन का बड़ा हिस्सा वक्फ में अल्लाह को दिया जा चुका है

वक्फ को लेकर उभरता विवाद

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

वक्फ अरबी भाषा का शब्द है। इसका अर्थ कोई भी चल या अचल सम्पत्ति अल्लाह को समर्पित कर देना। जाहिर है जब सम्पत्ति अल्लाह को समर्पित कर दी गई है तो उसकी सार संभाल तो इसी संसार के कुछ लोग अल्लाह की तरफ से करेंगे। अल्लाह की तरफ से सार संभाल करने का अधिकार इन 'कुछ' लोगों को कौन देता है, यह प्रश्न सदा विवाद का विषय बना रहेगा। अल्लाह को दान की गई इन सम्पत्तियों से जो आमदन होती है उसका कुछ हिस्सा, इन सम्पत्तियों की सार संभाल करने वाला व्यक्ति अपने मेहनताने के एवज में अपने पास भी रख सकता है। इसलिए विवाद बढ़ता रहता है। जिसके नियंत्रण में अल्लाह को दी गई यह सम्पत्ति आ जाती है, वह इसे छोडना नहीं चाहता। 1947 में अंग्रेजों के चले जाने के उपरांत कांग्रेस ने सरकार बनाई तो उसने 1954 में वक्फ बोर्ड अधिनियम बनाया। सरकार को पता चला कि इस देश की जमीन का बड़ा हिस्सा वक्फ में अल्लाह को दिया जा चुका है। कहा जाता है कि रेलवे और रक्षा मंत्रालय के बाद देश की सबसे ज्यादा जमीन वक्फ के नाम पर अल्लाह को दी जा चुकी है। वक्फ के पास इस समय देश की आठ लाख एकड़ से अधिक जमीन है। बोर्ड की अनुमानित संपत्ति 1.2 लाख करोड़ रुपए है। 2009 में वक्फ बोर्ड के पास कुल 4 लाख एकड़ जमीन थी। इस मसले की जड़ तक जाना जरूरी है। दरअसल इस देश में अरबों, तुर्कों व मुगलों के हमले 712 में शुरू हो गए थे। 1200 तक आते-आते उन्होंने देश के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और उसमें से कुछ हिस्सा अलग-अलग समय में अल्लाह को भी दे दिया। व्यावहारिक रूप से अल्लाह को देने का मतलब मुल्ला मौलवियों को देना ही था। ये मुल्ला मौलवी इस देश के रहने वाले तो थे नहीं, बल्कि ये भी इन्हीं हमलावरों के साथ मध्य एशिया से आए थे। एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) के राज में देसी मुसलमानों (डीएम) को लगता था कि शायद मुल्ला मौलवी वक्फ की इस सम्पत्ति से, उनकी हालत सुधारने के लिए भी ध्यान देंगे, लेकिन न तो ऐसा हुआ और न ही आगे होने की सम्भावना थी, क्योंकि 1954 में वक्फ बोर्ड बन जाने से सारे अधिकार कानूनी रूप से एक वर्ग विशेष के हाथों में दे दिए गए। देसी मुसलमान, जिन्हें एटीएम मूल का मुसलमान पसमांदा, अरजाल, अलजाफ, न जाने और कितने निंदनीय शब्दों से

सम्बोधित करता है, अपने ही देश में अपनी ही सम्पत्ति अशरफ के हाथों लुटती देखता रहा। समय समय पर इस वक्फ अधिनियम में संशोधन होते रहे और एटीएम का शिकंजा और कसता गया। भारत के मुसलमानों में दो वर्ग हैं, पहला वर्ग उन मुसलमानों का है जिनके वंशज इस मुल्क में हमलावर के रूप में आए थे। यह वर्ग एटीएम कहलाता है। दूसरा वर्ग उन मुसलमानों का है जो यहीं के लोग हैं, लेकिन किन्हीं कारणों से हमलावरों के मजहब में शामिल हो गए थे। उन्हें देसी मुसलमान या डीएम कहा जाता है। इस मुल्क में यदि कोई सम्पत्ति अल्लाह के नाम पर दान भी की जाती है तो वह यकीनन देसी मुसलमानों की ही हो सकती है। हमलावर अरब, तुर्क या मुगल अपने देशों की जमीन या सम्पत्ति तो उठाकर लाए नहीं थे जिसे उन्होंने हिन्दुस्तान में आकर वक्फ के नाम कर दिया। वक्फ का असूल है कि जो सम्पत्ति वक्फ को जाती है वह उसकी अपनी सम्पत्ति होनी चाहिए। दूसरे की कब्जाई गई सम्पत्ति को वक्फ के नाम नहीं किया जा सकता। अब केवल उदाहरण के लिए यदि अपने वक्त में औरंगजेब ने कोई जमीन वक्फ की हो तो उसको वक्फ माना ही नहीं जा सकता क्योंकि वह उसके पूर्वजों द्वारा बलपूर्वक कब्जाई सम्पत्ति है। एक और उदाहरण लिया जा सकता है। दो फरीकों में किसी सम्पत्ति को लेकर झगड़ा चल रहा है। पहले फरीक के कब्जे में वह सम्पत्ति है लेकिन उसको लग रहा है कि वह केस हार जाएगा। इसलिए वह केस का फैसला आने से पहले ही वह सम्पत्ति मौलवी से मिल कर वक्फ के नाम कर देता है। वक्फ बोर्ड की दलदल में फंस गई यह सम्पत्ति अब वापस असली मालिक को नहीं मिल सकती। यह नियम बना पंखा है कि एक बार वक्फ के नाम हो चुकी सम्पत्ति वापस नहीं हो सकती। असली मालिक वक्फ बोर्ड के इस तानाशाही रवैए के खिलाफ फरियाद भी उसी वक्फ बोर्ड के पास कर सकता है। हाई कोर्ट में अपील तक नहीं की जा सकती। अभी वक्फ बोर्ड अधिनियम में असमानी धारा है जिसे अधिनियम में धारा 40 कहा जाता है। इसके अनुसार यदि वक्फ बोर्ड के पास यह विश्वास करने के कारण हैं कि कोई जायदाद वक्फ की है तो वह उसे वक्फ सम्पत्ति घोषित कर सकता है। कोई सम्पत्ति किसकी है, इसके लिए प्रमाण की जरूरत होती है न कि विश्वास की। लेकिन वक्फ बोर्ड सम्पत्ति के मामले में प्रमाण की बजाय विश्वास को ही तरजीह देता है। यानी वक्फ स्वयं भी बहुत सी सम्पत्ति को, स्वयं ही विश्वास करके, वक्फ की सम्पत्ति घोषित कर देता है। इस प्रकार भारत की बहुत सी सम्पत्ति को उसने खुद ही वक्फ सम्पत्ति घोषित कर रखा है। भारत सरकार के पुरातत्व विभाग की तो अनेक सम्पत्तियों को वक्फ अपना मानता ही है और सरकार ने भी अभी तक इस मामले में मौन स्वीकृति दे रखी थी। नए अधिनियम में इसको रोकने का प्रयास किया गया है। सबसे ज्यादा दुख की बात तो यह है कि वक्फ की इन सम्पत्तियों से अर्जित आय का लाभ देसी मुसलमानों को मिलना चाहिए था, उनको अपने रोजगार चलाने में मदद की जानी चाहिए थी, उनके लिए अच्छे आधुनिक स्कूल खोले जाने चाहिए थे। लेकिन उनके विकास के नाम पर उनके लिए मध्यकालीन मदरसे खोल दिए गए और बाकी आमदन एटीएम ने अपने लिए रख ली। मुगलों का राज खत्म हो जाने के बाद भी बहुत ही शातिराना तरीके से उनके वंशजों ने इस मुल्क की बहुत बड़ी सम्पत्ति पर कब्जा जमा रखा है। उस कब्जे को छुड़ा कर, यदि उसे मुसलमानों को ही देना है तो उसे देश के देसी मुसलमानों के हवाले किए जाने की सख्त जरूरत है। वक्फ बोर्ड में किए जा रहे परिवर्तन उस दिशा में उठाए गए कदम कहे जा सकते हैं। भारत का देसी मुसलमान तो वक्फ बोर्ड अधिनियम में किए जा रहे परिवर्तनों से प्रसन्न है, लेकिन एटीएम भयंकर विरोध कर रहा है। कुछ दिन पहले ही वह औरंगजेब की कब्र बचाने की लड़ाई लड़ रहा था, लेकिन अब तो मुगल साम्राज्य समाप्त होने से पहले भारत में जो जायदाद वक्फ के बहाने उनको उनके भरण पोषण के लिए दे गया था, वह भी उनके हाथों से छिन्नती नजर आ रही थी। यह सम्पत्ति अब देसी मुसलमानों के हित के लिए प्रयोग होने वाली थी।

जाहिर है जब सम्पत्ति अल्लाह को समर्पित कर दी गई है तो उसकी सार संभाल तो इसी संसार के कुछ लोग अल्लाह की तरफ से करेंगे। अल्लाह की तरफ से सार संभाल करने का अधिकार इन 'कुछ' लोगों को कौन देता है, यह प्रश्न सदा विवाद का विषय बना रहेगा। अल्लाह को दान की गई इन सम्पत्तियों से जो आमदन होती है उसका कुछ हिस्सा, इन सम्पत्तियों की सार संभाल करने वाला व्यक्ति अपने मेहनताने के एवज में अपने पास भी रख सकता है। इसलिए विवाद बढ़ता रहता है। जिसके नियंत्रण में अल्लाह को दी गई यह सम्पत्ति आ जाती है, वह इसे छोडना नहीं चाहता। 1947 में अंग्रेजों के चले जाने के उपरांत कांग्रेस ने सरकार बनाई तो उसने 1954 में वक्फ बोर्ड अधिनियम बनाया।

दृष्टि कोण

इतिहास पुनर्लेखन का काम कैसे हो?

भारत वर्ष में इन दिनों इतिहास पुनर्लेखन लगातार बहस का विषय बना हुआ है। इतिहास लेखन में आमतौर पर वस्तुपरक लेखन का दावा किया जाता है, किन्तु यह दावा आंशिक रूप से ही सही है। इतिहास लेखन में व्यक्तिपरक लेखन की संभावना हमेशा बनी रहती है। ज्यादातर इतिहास विजेताओं द्वारा लिखे गए, इसलिए उनमें विजेताओं का महिमामंडन या उनके पक्ष को सही ठहराने की वृति हमेशा बनी ही रहती है। किन्तु जहां भी किसी पक्ष से असंबद्ध लेखकों द्वारा लेखन हुआ वहां-वहां इतिहास की वस्तुनिष्ठता, विश्वसनीयता की कसौटी पर तुलनात्मक रूप से खरी उतरती है। भारतवर्ष का आधुनिक प्रचलित इतिहास मुस्लिम आक्रांताओं, अंग्रेजी शासन और वाम विचारधारा से जुड़े इतिहासकारों की देन है, जिसमें बहुत मेहनत से काम हुआ है। किन्तु उसमें निष्पक्षता का स्तर असंदिग्ध नहीं है। क्योंकि उन सभी के अपने-अपने निहित स्वार्थ हैं या भारत को देखने की अपनी विशिष्ट दृष्टि है, जो किसी भी बाहरी व्यक्ति के लिए स्वाभाविक है। मुस्लिम आक्रांता ऐसे देशों से आए थे जहां खाने, जीने के साधन पर्याप्त मात्र में उपलब्ध नहीं थे। इसलिए लूट के अतिरिक्त दूसरा लक्ष्य था कि भारत में ही बस कर यहां की सुख-सुविधाओं का अपनी इच्छा से उपभोग कर सकें। उनके लिए दूसरे देशों में जाकर इस्लाम को फैलाना भी पुण्य का काम था, इसलिए अनेक देशों को जीत कर इस्लाम फैलाने के लिए भी उन्होंने आक्रामक रुख अपनाया और अपने इस लक्ष्य को जायज ठहराने की दृष्टि से इतिहास लेखन हुआ। अंग्रेजों की दृष्टि तत्कालीन ईसाई दृष्टि थी, जिसके अनुसार जो भी लोग ईसाइयत का ज्ञान नहीं रखते और मानते वे लोग बर्बरता में फंसे हुए हैं, उनकी मुक्ति के लिए हमें वहां ईसाइयत का संदेश लेकर जाना है। यह हमारा धार्मिक कर्तव्य है। हालांकि यूरोप का ठंडा जलवायु, प्राकृतिक संसाधनों का अभाव भी उसके पीछे का कारण रहा है, जिस कमी को पूरा करने के लिए उपनिवेशवाद का सहारा लिया गया और तमाम एशियाई, अफ्रीकी और अमरीकी देशों पर कब्जा करने की मुहिम शुरू हुई और कुछ देशों की आबादी को पूरी तरह नष्ट करके खुद वहां के मालिक बन गए, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, आस्ट्रेलिया। जहां इस तरह का कब्जा करके पूरी आबादी को ही प्रतिस्थापित करना संभव नहीं था, वहां उन्होंने स्थानीय सभ्यताओं और संस्कृतियों को घटिया साबित करने और पाश्चत्य सभ्यता को स्थापित करके अपने शासनों को सुनिश्चित करने का कार्य किया। इतिहास लेखन का उनका कार्य इसी दृष्टि से किया गया। ज्यादातर परिकल्पनाएं जिनकी स्थापना की गई, वे उनके उपरोक्त लक्ष्यों को पूरा करने वाली थीं। बड़ी चालाकी से उन्होंने, जो तथ्य या घटनाएं उन्हें अपने उपयुक्त नहीं लगीं, उनका विलोपन कर दिया गया या अनदेखा किया गया। हालांकि उन्होंने तथ्यात्मकता और वस्तुपरकता को आधार बना कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण की स्थापना की, किन्तु तथ्यों और घटनाओं की व्याख्या अपने यूरोपीय दृष्टिकोण से करने के कारण बहुत सी जाने या अनजाने गलतियां कीं जो उनके लक्ष्यों की पूर्ति के लिए जरूरी थीं। उदाहरण के लिए भारत की दयनीय स्थिति का झूठा चित्रण करके अपने आप को उन्नत साबित करने का काम नई शिक्षा द्वारा किया गया, जबकि धर्मपाल द्वारा इकठ्ठे किए गए ब्रिटिश रिकॉर्ड के आंकड़ों से यह साबित होता है कि उनका यह कथानक झूठा है। 1822-25 के मद्रास प्रेसीडेंसी में किए गए सर्वे के अनुसार उस समय भी प्रेसीडेंसी में 11575 स्कूल और 1094 कॉलेज थे जिनमें क्रमशः 157195 और 5431 विद्यार्थी पढ़ रहे थे। जातिगत बनावट के बारे में भी हैरान करने वाले आंकड़े सामने आते हैं, जिनके अनुसार तमिल भाषी क्षेत्र में शूद्र और उनसे निचली जातियों से संबंधित 70 से 80 फीसदी विद्यार्थी थे, उडिया क्षेत्र में 62 फीसदी, 54 फीसदी मलयालम भाषी क्षेत्रों में और 50 फीसदी तेलगु क्षेत्रों में थे। यही बात यहां उपलब्ध तकनीकी ज्ञान के बारे में भी लागू होती है। उत्तरप्रदेश के अतिरंजी खेड़ा में 12वीं शताब्दी ईसा पूर्व में भी लोहे का प्रयोग होता था, किन्तु 18वीं शताब्दी सीई तक भी यहां बढिया किस्म का स्टील बनाया जाता था, यह बात कम ही लोग जानते हैं। उस समय प्रति वर्ष उच्च कोटि का स्टील बनाने वाली कम से कम 10000 ऐसी भट्टियां कार्यरत थीं जो साल में बीस टन तक स्टील तैयार कर रही थीं। चेचक के इलाज के लिए इनोकुलेशन की जाती थी और प्लास्टिक सर्जरी द्वारा अंग मरम्मत की जाती थी। सुश्रुत के सदियों बाद तक यह विद्या 18वीं शताब्दी तक मौजूद थी। यह भारतीय सेवा के तत्कालीन अफसर डा. बैरी द्वारा वर्णित पूना में उनके द्वारा देखे गए एक आपरेशन से पता चलती है।

कुछ अलग

मंच हमारा, माला तेरी...

जिस समय वे मेरे यहां आए, चिंता की लकीरें ललाट पर स्पष्ट रूप से दिख रही थीं। वे मेरे परमप्रिय थे। सो बोला-'क्यों, क्या बात है? मेरे लायक कोई कार्य हो तो बताओ। इतने चिन्तित होने की बात क्या है?' वे और अधिक गमगीन हो गए। लगभग रुआंसे होकर बोले-'शर्मा मुझे बचा लो। मेरी लाज तुम्हारे हाथ में है। मेरी इज्जत दांव पर लग गई है। तुम तो घर के आदमी हो, दूसरे से कह भी नहीं सकता।' मैंने कहा-'गिरधर जी मामला क्या है? आपकी इज्जत के लिए मैं अपनी इज्जत दांव पर लगा दूंगा, आखिर बात क्या है?' गिरधर जी अपना मुंह मेरे कान के पास लाए और बोले-'शर्मा अपनी संस्था का वार्षिक कार्यक्रम वर्ष बीतने को आया, लेकिन हो नहीं पा रहा है। साफ बात है संस्था आर्थिक विषमता में जी रही है। इस वर्ष सम्मान समारोह नहीं हुआ तो सारी बात खाक में मिल जाएगी, दूसरा गुट बदनामी करने पर तुला है।' मैंने कहा, 'तो कहिए, मुझे करना क्या है?' गिरधर जी बोले, 'तुम ऐसा करो, इस वर्ष का सम्मान ले लो। मेरी और संस्था की नाक बच जाएगी।' मैं उनकी बात पर हंस पड़ा और बोला, 'इसमें गिरधर जी चिन्ता की क्या बात है? इस वर्ष का साहित्य शिरोमणि सम्मान मैं ले लूंगा। आप तो चिन्ता को त्यागो और सम्मान की तैयारी करो।' गिरधर जी लगभग पसर से गए और मौन साध गए। मेरी समझ में कुछ नहीं आया। मैंने फिर कहा-'क्यों अब क्या बात है? मैं सम्मान ले लूंगा, मना थोड़े ही कर रहा हूं।' 'शर्मा, तुम समझने की कोशिश क्यों नहीं करते। मैंने अभी कहा कि संस्था पूरी तरह दिवालिया है। मंच तो दे सकती है, लेकिन माला और दुशाला का इंतजाम कैसे होगा, सम्मान लेने वाले तो बहुत से हैं। तुम्हारी खुशामद करने का मेरा मतलब यही है कि तुम मंच के अलावा सारा इंतजाम नेपथ्य से करो। वरना संस्था की मान्यता खतरे में पड़ सकती है, सम्मान का सारा व्यय तुम्हें ही संभालना होगा।' गिरधर जी की बात सुनकर मुझे सांप सूंघ गया, समझ में ही नहीं आया कि क्या जवाब दूं। हालांकि सम्मान की लार मेरे मुंह में आ चुकी थी। वैसे भी साहित्य का कोई पुरस्कार सम्मान मुझे अभी तक नहीं मिल पाया था। मैंने कहा-'मैं आपकी बात समझ गया गिरधर जी, लेकिन पैसे से तो मैं भी बहुत तंग हूं, गए महीने पी. एफ. से लोन लेकर घर की व्यवस्था की थी। अब यह सम्मान आ गया। मुझे यह सम्मान, अपमान जैसा लग रहा है। मंच आपका और माला-दुशाला मेरा, बात कुछ हजम नहीं हो रही।' गिरधर जी अत्यंत निराश भाव से बोले-'तो फिर रहने दो शर्मा। मैं किसी और से बात करता हूं। मैं तो इसलिए तुम्हारे पास आया था कि घर के आदमी हो। तुम्हारा सम्मान भी कभी नहीं हुआ। फूल-मालाओं से लदवा देता सार्वजनिक रूप से पीछे क्या हुआ, किसने देखा है। मान-सम्मान के लिए तो लोग पता नहीं क्या-क्या जोड़-तोड़ करते हैं। तुम क्या पत्नी के आभूषण दांव पर नहीं लगा सकते? देखो, सभी जगह ऐसा होता है, खर्चा क्या है, कार्ड छपवाने हैं, पचास मालाएं लानी हैं, शॉल लाना है और दो सौ आदमियों के जलपान की व्यवस्था करनी है। कुल पांच हजार में 'साहित्य शिरोमणि' हो जाओगे।' अब मैं सोच में पड़ गया हूं।

देश दुनीया से

पूर्वोत्तर में सुरक्षा चुनौती को गंभीरता से लेने की जरूरत

यहां मेरा उद्देश्य हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्र की अंदरूनी स्थिति को उजागर करना है। आज के अखबारों ने मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री बीरेन सिंह का कथित बयान भी छापा है, जिसमें उन्होंने दिवंगत पीए संगमा द्वारा संसद में 2014 में दिए एक भाषण का एक वीडियो साझा किया है, संगमा उसमें कथित तौर पर कुकी लैंड और क्षेत्र में अन्य छोटे-छोटे राज्य बनाने का समर्थन कर रहे हैं। बीरेन सिंह ने कहा कि आज भी मणिपुर के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए इसी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि राज्य को अस्थिर किया जा सके। इस बयान पर मेघालय के मुख्यमंत्री और पीए संगमा के बेटे ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अपने पिता का बचाव किया है। मैंने भविष्य में बांग्लादेश (और पाकिस्तान) की संभावित भूमिका और हमारी अपनी आंतरिक खींचतान (महत्वपूर्ण पदों पर आसीन लोगों द्वारा दिए जा रहे असंयमित बयानों को देखते हुए) को सामने लाने के लिए गहरे उतरकर मनन किया है। 2023 तक और मणिपुर में हिंसा की शुरुआत होने तक, दशकों की अशांति और हिंसा के बाद पूर्वोत्तर में शांति कायम थी। नगालैंड में युद्ध विराम था और असम, अरुणाचल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर में निर्वाचित सरकारें थीं। भारत सरकार ने सेना, सुरक्षा बलों और पुलिस की मदद से क्षेत्र में शांति बनाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली में सराहनीय काम किया था। पूर्वोत्तर और शेष भारत के बीच संवाद और एकीकरण में सुधार हुआ और क्षेत्र के लोग पढ़ाई और रोजगार के लिए दूसरे हिस्सों में जाने लगे। पर्यटन भी फलने-फूलने लगा। हालांकि, मणिपुर उच्च न्यायालय के एक फैसले में सिफारिश की गई कि राज्य सरकार को इस क्षेत्र के मुख्य समुदाय मैतेई को अनुसूचित जनजाति के रूप में शामिल करने के लिए भारत सरकार से कहना चाहिए और इस प्रकार की सकारात्मक कार्रवाई की अनुमति देनी चाहिए (जिसका एक अर्थ बाहरी लोगों द्वारा पहाड़ी इलाके में भूमि खरीद को खोलना भी निकलता है)। इस फैसले से होने वाले नुकसान की संभावना का अंदाजा लगाते हुए राज्य सरकार को न्यायिक साधनों से इस फैसले को चुनौती देने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए थे (ऐसा वह आसानी से कर सकती थी)। बाहरी लोगों की आमद खुलने की आशंका की वजह से पहाड़ी जनजातियों में अपनी ज़मीन और पहचान खोने का डर बना और उन्होंने बड़े पैमाने पर प्रतिक्रिया, जो कभी-कभी हिंसक भी थी, व्यक्त की। दुर्भाग्यवश, राज्य स्तर पर इस मामले को ठीक से नहीं संभाला गया और स्थिति को अशांति और हिंसा में बदलने दिया गया। बड़ी संख्या में घाटी वासियों और पहाड़ी लोगों के बीच झड़पें हुईं और पुलिस के शस्त्रागार लूट लिए गए और बहुत से हथियार गायब हो गए (जिनमें से अधिकांश बरामद नहीं हो पाए)। सेना और पी.एम.एफ. का समुचित इस्तेमाल नहीं किया गया और पुलिस भी इसके लिए तैयार नहीं थी। अब किसी तरह शांति बहाल हुई है, लेकिन सामाजिक ताना-बाना बिखर चुका है और चुप्पी ही एकमात्र संवाद है। पहाड़ी लोग अपनी पुरानी जीवन शैली में वापस नहीं जा पा रहे। हम बारूद के ढेर पर बैठे हैं, जिसे एक भड़काऊ बयान विस्फोट में बदल सकता है। समुदायों और सरकार के बीच बातचीत की प्रक्रिया शुरुआती दौर में आरंभ नहीं की गई और राज्य सरकार ने जोर-जबरदस्ती वाले तरीकों का इस्तेमाल करना चुना, जो विफल रहा। पूर्वोत्तर में स्थिति संभालने लिए उच्चतम स्तर की राजनीतिक सूझबूझ और राजनीति कौशल की आवश्यकता है। हमें पहले स्थिति को बिगड़ जाने देना और फिर आग बुझाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। मैं अन्य राज्यों पर एक नज़र डालना चाहूंगा- मिजोरम में लंबे समय से शांति है, लेकिन अब कुछ आशंकित करने वाले संकेत दिखाई देने लगे हैं। जैसा कि मीडिया में बताया गया है कि भारत सरकार ने मिजोरम सरकार से कहा है कि वह म्यांमार से आने वाले रोहिंग्याओं को शरण न दे और उनके लिए शिविर न बनाए। हालांकि, बताया जाता है कि मिजोरम ने फिर भी ऐसे शिविरों की स्थापना कर रखी है। इसी तरह, मिजोरम सरकार से मणिपुरी शरणार्थियों को भी न लेने और शिविर न लगाने की हिदायत दी गई। हालांकि, उसने वहां के लोगों को भी आने दिया और शिविर बना दिए- ये अच्छे संकेत नहीं हैं। मेघालय भी मणिपुर की पहाड़ी जनजातियों के हितों के प्रति सहानुभूति रखता है और नगालैंड भी। पूर्वोत्तर को अब पुनर्विचार, पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता है...इन राज्यों में सदा ही जनजातीय और धार्मिक आधार पर मतभेद रहे हैं। ये जनजातियां सात राज्यों में फैली हुई हैं और मणिपुर की इन जनजातियों की चिंताएं मेघालय और नगालैंड में भी गूंजती हैं, इसलिए एक राज्य में जो घटित होता है उसका असर दूसरे राज्यों पर भी पड़ता है। ऐतिहासिक रूप से म्यांमार और मणिपुर एवं मिजोरम के बीच हिंसा नीत संबंध रहा है, शरणार्थी संकट के मद्देनजर इसमें और वृद्धि होने की संभावना है। ऐसा लगता है कि बांग्लादेश इस क्षेत्र में एक खिलाड़ी बनने के लिए बेताब है और उस पर रणनीति बनाते समय चीन को ध्यान में रखना होगा। मणिपुर में संघर्ष के मौजूदा दौर में मणिपुर एवं मिजोरम, दोनों जगह, भूमिगत तत्व सक्रिय हो गए हैं, सीमा पार करने और तस्करी में भी वृद्धि हुई है। भूकंप के बाद म्यांमार से लोगों और भूमिगत तत्वों की आवाजाही बढ़ने की संभावना है। सीमा प्रबंधन में सुधार करना होगा। कुल मिलाकर, पूर्वोत्तर में बाहरी और आंतरिक, दोनों ही स्थितियों पर उच्चतम स्तर पर बारीकी से नज़र रखने और निर्णय लेने की आवश्यकता है। इन स्थितियों के नियमित रणनीतिक प्रबंधन को राज्य स्तर पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए क्योंकि उनका नजरिया एक सीमा तक होता है। समय बहुत अहम होता है और ऐसी नीति की आवश्यकता है जिसमें उद्देश्य स्पष्ट हों और उनकी प्राप्ति हेतु रणनीतियों एवं योजनाओं को क्रियान्वित करने के तरीके और साधन निर्धारित हों।

आप का नजरीया

मेलों की पगड़ी

हिमाचल के मेलों में समाज और समाज के मेलों में नया रिवाज अब रौनक के संदर्भों को बदल रहा है। जाहिर है मेलों में व्यापार का आनंद बढ़ा है और आनंद के बाजार में मेले बड़े हो गए हैं। जो इन्हें गांव या शहर के मेले समझते हैं, वे गलत हैं या मेला संस्कृति को हम गलत ढंग से इस्तेमाल कर रहे हैं। अभी होली के मेले में सुजानपुर-पालमपुर में बड़े कलाकार देखे गए, तो युवाओं का त्योहारी जोश हर शहर के चौक-चौराहे पर आकर मदहोश हो गया। मेले अब महज कुश्ती के नहीं रहे, टमक पर बजती चोट के नहीं रहे। वहां मिट्टी के बरतनों की खरीददारी से कहीं आगे 'ट्रेड फेयर' के व्यापारी आ गए। इसलिए मेले का ग्राउंड बिकता है और क्यों न बिके। अगर दाड़ी मेले का डोम बिक कर नगर निगम धर्मशाला के आय की शिनाख्त करे, तो ऐसे दर्जनों मेला ग्राउंड विकसित होने चाहिएं, लेकिन मेलों की संवेदना-संभावना को रौंद कर अगर सियासी और प्रशासनिक काफिले इन्हें अपनी महफिल का दास बना लें, तो सारा उद्देश्य हार जाता है। मेलों की सार्थकता अब इनके आयोजन की पारदर्शिता में है। नगरोटा के लिदबड़ मेले की सांस्कृतिक संध्या में हारती कुश्ती का जिक्र करते हुए पूर्व भाजपा विधायक अरुण कुमार कूका ने इसका पूरा इतिहास खंगाल दिया। मेलों में छिंज यानी कुश्ती के संदर्भ दरअसल नायकत्व की पहचान रही है। यह सामाजिक प्रश्रय की बेहतरीन मिसाल है जहां एक साल की तैयारी में विकसित होते युवाओं के शारीरिक सौष्ठव का प्रदर्शन, ईमानदार तालियों का इंतजार करता है। ताज्जुब यह है कि सियासी वर्चस्व ने मेले से कुश्ती का ग्राउंड छीन लिया है या डोम के फैलाव ने कुश्तियों की अहमियत को कमजोर कर दिया। यह दीगर है कि मेलों में पगडियां बढ़ गईं और समाज को पीछे छोड़ सियासत का कुनबा, प्रशासन की रीत बन कर आगे दिखने लगा। आश्चर्य यह भी कि हिमाचल की इंद्रियां हर जगह राजनीति के लिए और सियासत सरीखी हो गई हैं। विडंबना यह है कि नलवाड़ मेलों

वक्फ संशोधन बिल मुस्लिम महिलाओं और गरीब मुसलमानों के अधिकारों को देगा मजबूती

सोनीपत (हिंस)। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत और पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने वक्फ संशोधन बिल को राज्यसभा में पारित होने पर इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया और सभी सांसदों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस संशोधन से गरीब मुसलमानों और मुस्लिम महिलाओं को बड़ा लाभ मिलेगा। डॉ. शर्मा ने कहा कि इस बिल में मुस्लिम महिलाओं को विरासत में अधिकार देने का प्रावधान किया गया है ताकि वे संपत्ति से वंचित न रह जाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बड़ी सोच और पारदर्शिता के उद्देश्य से यह बिल लाया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि पहले वक्फ बोर्ड की संपत्ति का लाभ कुछ सीमित लोग ही उठाते थे, लेकिन अब इस संशोधन के बाद भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी और समाज के गरीब वर्ग को इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो दल वक्फ बोर्ड में भ्रष्टाचार की बात करते हैं, वही संसद में इस संशोधन का विरोध कर रहे हैं। अब मुस्लिम समाज को यह समझना होगा कि विपक्ष कैसी राजनीति कर रहा है। डॉ. शर्मा ने यह भी बताया कि इस बिल के माध्यम से वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में तकनीक का उपयोग बढ़ेगा, जिससे कामकाज में पारदर्शिता आएगी। साथ ही मुस्लिम महिलाओं को वक्फ बोर्ड में प्रतिनिधित्व और अधिकार मिल सकेंगे, जो एक सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व ईमानदारी और जवाबदारी की व्यवस्था का पक्षधर : शेखावत

नई दिल्ली/जयपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल का दोनों सदनों में पारित होना ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का नेतृत्व ईमानदारी और जवाबदारी की व्यवस्था का पक्षधर है। शुक्रवार को अपने बयान में शेखावत ने शायराना अंदाज में कहा कि सीने में सच्चाई और इरादों में ईमानदारी, न्याय के लिए निर्णय में नहीं कोई लाचारी। यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट, इफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट (उम्मीद) बिल नैतिकता और न्याय का आग्रह प्रस्तुत करता है, जिससे वक्फ बोर्ड केवल अपनी जानकारी को प्रमाण मानकर किसी भी संपत्ति को वक्फ की घोषित नहीं कर पाएगा। शेखावत ने कहा कि केंद्र सरकार सुनिश्चित करेगी कि वक्फ संपत्तियों का लेखा-जोखा सीएजी करे। वक्फ की संपत्तियों का सर्वोचित प्रबंधन होगा। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन बिल का दोनों सदनों में पारित होना ऐतिहासिक है।

भारत सरकार अमेरिका के दबाव में कर रही है काम : गुरनाम सिंह चढ़ूनी

यमुनानगर (हिंस)। अमेरिका से टैरिफ विधि के विरोध में भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के किसानों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के सामने इकट्ठा होकर प्रदर्शन किया और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुतले फूंके। इस मौके पर शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि भारत सरकार अमेरिका के दबाव में आकर टैरिफ विधि को बदल रही है जो भारतीय किसानों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ऐसी नीतियां बना रही है जिससे विदेशी कंपनियों को लाभ मिलेगा और अन्नदाताओं को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर टैरिफ दरों को कम कर दिया गया तो विदेशों से कृषि उत्पाद सस्ता आएगा और जिसमें भारतीय किसानों को प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत का किसान पहले से ही महंगे डीजल, बीज, कीटनाशक दवाइयों और खाद के बोझ तले दबा हुआ है। ऐसे में अगर विदेशी उत्पादों से मुकाबला करना पड़ा तो उसकी आर्थिक स्तिथि और बिगड़ जाएगी। सरकार अमेरिका की हर बात मान रही है और दबाव में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नई मंडी के मसौदे पर भी नया कानून बनाया जा रहा है। जिसमें सीलों को यह मंडी मानेंगे या निजी गोदाम को मंडी मानेंगे। उन्होंने कहा कि व्यापारी मंडी के बाहर अगर फसलों को खरीदेगा तो उसे पर साढ़े छह प्रतिशत का मंडी टैक्स नहीं लगेगा जो मंडी में लगता है। इसी तरह पंजाब में साढ़े आठ प्रतिशत लगता है। उन्होंने कहा कि सरकार आमिर को और अमीर बनाने में और गरीब को गरीब बनाने में लगी हुई है और कॉर्पोरेट का कर्ज माफ कर आम आदमी पर टैक्स पर टैक्स थोप रही है। उन्होंने गेहूं की आवक को लेकर कहा कि इस बार गेहूं कम है लेकिन अभी फसल आने में थोड़ा समय लग जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार किसानों की भलाई का केवल दिखावा करती है। असल में यह पूंजीपतियों और विदेशी कंपनियों के हित में काम कर रही है।

बंदूक की नोक पर ट्रक ड्राइवर से हुई लूट में महिला सहित चार गिरफ्तार

सिरसा (हिंस)। स्थानीय पुलिस ने एलनाबाद में ट्रक ड्राइवर से बंदूक की नोक पर हुई लूट मामले में एक महिला सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एलनाबाद थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बलवीर उर्फ अनिल, हरतेज सिंह, सिमरन कौर उर्फ परी व गुरसेवक उर्फ बच्ची निवासी जिला सिरसा के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि बीते दिवस ट्रक ड्राइवर अजीत कुमार निवासी जिला हिसार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपना ट्रक लेकर हनुमानगढ़ राजस्थान की तरफ जा रहा था। इसी दौरान ट्रक जब उधम सिंह चौक के पास पहुंचा तो कार सवार तीन अज्ञात युवक व एक महिला ने पिस्तौल की नोक पर 35 हजार रुपए की नगदी व एक मोबाइल फोन छीनकर मौके से फरार हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने जांच करते हुए वारदात को अंजाम देने वाले एक महिला व तीन युवकों को काबू कर लिया। उन्होंने बताया कि पकड़े गए लोगों से विस्तार से पूछताछ की जा रही है और पूछताछ के दौरान छीना-झपटी की अन्य आपराधिक वारदातों का खुलासा होने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

गौशाला संचालकों को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने की जरूरत : उत्तम माहेश्वरी

भीलवाड़ा (हिंस)। भीलवाड़ा विधायक कार्यालय में गौशाला संचालकों, गौ पालकों और गौ रक्षकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ भारत माता की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया, जिसमें गोवत्स लाल जी महाराज, पूर्व न्यास अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डाड सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। बैठक में मुख्य वक्ता गौ वैज्ञानिक उत्तम माहेश्वरी (मुंबई) ने गौशालाओं की आत्मनिर्भरता, नवाचार और वित्तीय प्रबंधन पर विशेष मार्गदर्शन दिया। उन्होंने गौवंश की देखभाल, पौष्टिक आहार, उचित आवास और आर्थिक संसाधन जुटाने के आधुनिक तरीकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गौशाला संचालकों को पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़ते हुए नवाचार अपनाने होंगे, जिससे गौशालाएं आत्मनिर्भर बन सकें। भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी ने गौसेवा के आध्यात्मिक और सामाजिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गौमाता की सेवा से मानव कल्याण स्वत: ही सुनिश्चित होता है। उन्होंने इसे संपूर्ण समाज के लिए कल्याणकारी बताते हुए पूरे परिवार के साथ गौसेवा करने की अपील की। बैठक में सरोज देवी फाउंडेशन (आरसीएम) के संरक्षक तिलोक चंद छाबड़ा के ग्राम विकास मिशन के तहत सत्यम शर्मा ने बताया कि प्राकृतिक कृषि, जल संरक्षण, गौ पालन, चारागाह विकास और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से दिसंबर 2024 में 600 से अधिक किसानों की दो दिवसीय आवासीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला की सफलता को देखते हुए आगामी 29 से 31 अगस्त 2025 को तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। राष्ट्रीय गौ सेवा समिति के अध्यक्ष गोपाल बांगड़ ने बताया कि पहले केवल 13 गौशालाओं को अनुदान प्राप्त था, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 38 हो गई है, और प्रयास जारी हैं कि शीघ्र ही यह संख्या 51 तक पहुंचे, जिससे और अधिक गौशालाओं को आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके। बैठक में सुरभि गौशाला के विवेक निमावत, वरिष्ठ समाजसेविका दीदी निरंजना सोनी, गौसंसद बहादुर सिंह, गौ सेवा मित्र मंडल के अध्यक्ष अमन शर्मा सहित कई अन्य गौसेवकों ने भी अपने विचार साझा किए। गौशाला संचालन से जुड़ी कानूनी समस्याओं के समाधान हेतु एडवोकेट विजय सोनी नि:शुल्क कानूनी सहायता प्रदान कर रहे हैं, वहीं केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी व लाभ दिलाने के लिए एडवोकेट अर्पित कोठारी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा संसद में प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा की गई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की गई। उपस्थित जनों ने मिठाई खिलाकर एक-दूसरे को बधाई दी और *मोदी को जय श्री राम* के नारों से वातावरण गूंज उठा। बैठक में विभिन्न क्षेत्रों से आए गौशाला प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें मेघरास से श्री शिव गौ सेवा के रामस्वरूप, रघुनाथपुरा से श्री नीलकंठ महादेव गौशाला के चंद्रप्रकाश, लुहारिया से मनमोहन गौसेवा ट्रस्ट के भैरूलाल पांचाल, बागोर से श्री कृष्ण गोपाल गौशाला के राकेश, लाडपुरा से श्री सांवरिया गौशाला के चांदमल, सिंगोली से चारभुजा नाथ सिंगोली श्याम गौ सेवा संस्थान के हरिशंकर, महुआ से श्री राम गौशाला संस्थान के राजकुमार धाकड़, मांडलगढ़ से श्री मां भगवती गौशाला के छगनलाल भांड, बिजौलिया से श्री तिलस्वा नाथ गौशाला के छित्तर मल, कामधेनु गौशाला के ओमप्रकाश काबरा, आमली से बजरंग गौशाला के किशन लाल, सुवाणा से श्री मातेश्वरी गौ सेवा के प्रकाश चपलोत, रोंपा से श्री देवनारायण गौशाला के सत्यनारायण सहित अनेक गौशाला संचालक और गौसेवक उपस्थित रहे।

लॉरेंस विश्नोई-रोहित गोदारा गैंग का सक्रिय सदस्य आदित्य जैन गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) लॉरेंस बिश्नोई-रोहित गोदारा गिरोह के सक्रिय सदस्य आदित्य जैन उर्फ टोनी (26) को दुबई (यूएई) से गिरफ्तार कर जयपुर लाई है। आरोपी को इंटरपोल के माध्यम से सीबीआई की मदद से हिरासत में लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आदित्य जैन गैंग के लिए विदेश में बैठकर धमकी भरे कॉल्स की व्यवस्था करता था और गैंग का *कंट्रोल रूम* संचालित कर रहा था। वह जबरन वसूली और गोलीबारी जैसे कई मामलों में वांछित था। टोनी मूल रूप से डीडवाना-कुचामन जिले के कुचामन शहर का निवासी है और उसके पिता व्यवसायी हैं। एडीजी (अपराध एवं एजीटीएफ) दिनेश एमएन ने बताया कि आरोपी की लंबे समय से तलाश की जा रही थी। राजस्थान में आने वाले थ्रेट कॉल्स की जांच में बार-बार आदित्य उर्फ टोनी का नाम सामने आता था। इसके आधार पर डीआईजी योगेश यादव और एएसपी नरोत्तम वर्मा ने इंटरपोल के जरिए उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया। इसके बाद एएसपी सिद्धांत शर्मा, मनीष शर्मा, इंस्पेक्टर सुनील जांगिड़ और रविंद्र प्रताप की टीम ने उसे दुबई में ट्रैक किया। आदित्य ने दुबई में ट्रैवल व्यवसाय शुरू किया था, लेकिन अप्रैल 2024 से वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए *डब्बा कॉलिंग* (गोपनीय कॉल व्यवस्था) करने लगा। इससे पहले यह काम अमरजीत बिश्नोई करता था। टोनी के पासपोर्ट की जानकारी से उसके दुबई में होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद लुक आउट सर्कुलर भी जारी किया गया। 25 फरवरी को जब वह आर्मेनिया जाने के लिए दुबई एयरपोर्ट पहुंचा, तो उसे स्थानीय पुलिस ने हिरासत में ले लिया और सीबीआई के माध्यम से एजीटीएफ को सौंप दिया गया। वर्तमान में उससे पूछताछ जारी है।

रेल यात्रियों का गायब मोबाइल फोन ढूंढ़ निकालेगा रेलवे सुरक्षा बल : दूरसंचार विभाग से मिलाया हाथ

कोटा (हिंस)। रेल यात्रियों के खो गए या गायब मोबाइल फोन को ढूंढ़ निकालने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने दूरसंचार विभाग से हाथ मिलाया है। इसके तहत आरपीएफ ने दूरसंचार विभाग के सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल के साथ सफल साझेदारी की है। नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) में एक पायलट प्रोग्राम की सफलता के बाद यह पहल की गई है। भारतीय रेल द्वारा इस पहल को पूरे भारत में लागू किए जाने के बाद करोड़ों रेल यात्रियों को फायदा मिलेगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन के अनुसार अपना गुम मोबाइल फोन प्राप्त करने के लिए यात्री इसकी रिपोर्टिंग रेल मदद या 139 डायल के जरिए कर सकते हैं। यदि यात्री एफआईआर दर्ज नहीं कराना चाहते, तो उन्हें सीईआईआर पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराने का भी विकल्प मिलेगा। सीईआईआर पंजीकरण का विकल्प चुनने पर आरपीएफ की जोनल साइबर सेल शिकायत को सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज करेगी और आवश्यक विवरण दर्ज करने के बाद डिवाइस को ब्लॉक करेगी। अगर नई सिम के साथ खोए हुए फोन का पता चलता है, तो डिवाइस के उपयोगकर्ता को निकटतम आरपीएफ पोस्ट पर लौटाने की सलाह दी जाएगी। इसके बाद मोबाइल का असली उपयोगकर्ता आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करके अपना फोन वापस पा सकता है। अनुपालन न होने की स्थिति में रेलवे सुरक्षा बल एफआईआर दर्ज कर सकता है और मामला जिला पुलिस को भेजा जा सकता है। रिकवरी के बाद, शिकायतकर्ता सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से फोन को अनब्लॉक करने का अनुरोध कर सकता है, जिसमें जरूरत पड़ने पर आरपीएफ से सहायता मिलेगी। सीईआईआर पोर्टल के ट्रेनिंग कार्यक्रम की शुरुआत के मौके पर रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक मनोज यादव ने कहा कि दूरसंचार विभाग के साथ मिलकर सीईआईआर पोर्टल को संचालित करने की आरपीएफ की साझेदारी रेलवे सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। डिजिटल तकनीक का उपयोग करके, हमारा लक्ष्य यात्रियों को उनके खोए या गायब हुए मोबाइल फोन को पुनर्प्राप्त करने के लिए एक पारदर्शी और प्रभावी तंत्र प्रदान करना है। यह पहल हमारी क्षमताओं को मजबूत करती है और रेल यात्रियों के बीच अधिक विश्वास पैदा करती है। हम यात्री संपत्ति की सुरक्षा और रेल नेटवर्क पर सुरक्षित यात्रा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उप्र में शांतिपूर्ण तरीके से हुई जुमे की नमाज, सपा नेता सुमैय्या हुई हाउस अरेस्ट, कुछ संदिग्ध गिरफ्तार

लखनऊ (हिंस)। संसद के दोनों सदनों से वक्फ संशोधन बिल पास होने के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस के कई जनपदों में तनाव के मद्देनजर पुलिस कई दिनों से अलर्ट पर थी। खासकर आज जुमे की नमाज को शांतिपूर्ण तरीके से कराना पुलिस के लिए चुनौती थी। आखिरकार प्रदेशभर में जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से हो गई। हालांकि संभल में कुछ संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) ने राज्य में शांतिपूर्वक जुमे नमाज होने की पुष्टि की है। इस दौरान लखनऊ में समाजवादी पार्टी (सपा) नेता सुमैय्या राणा को प्रदर्शन की घोषणा करने पर हाउस अरेस्ट कर दिया गया। वक्फ संशोधन बिल पास होने पर नाराज सुमैय्या अपने कैसरबाग स्थित एफआई अपार्टमेंट से बाहर आयीं तो उन्हें पुलिसकर्मियों ने घेर लिया और उन्हें वापस कर दिया। इसके अलावा वक्फ संशोधन बिल पास होने के बाद संभल जनपद में कुछ संदिग्ध लोगों ने जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर में हवन करने की कोशिश की। इन लोगों को संभल पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पूछताछ करने पर संदिग्ध लोगों ने बताया कि वक्फ संशोधन बिल पास होने पर वे खुश हैं और दिल्ली से चलकर संभल में हवन पूजन करने आए हैं। इस दौरान यूपी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। संभल में ही बुजुर्ग जाहिद सैफी की कुछ मुस्लिम युवकों ने जमकर पिटाई कर दी। जाहिद सैफी ने कुछ घंटे पहले ही वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया था और नमाज अदा करने के लिए वह घर से निकले थे। तभी युवकों ने उसे घेर लिया और अपनी बातों को वापस लेने को कहा। फिर भी जाहिद नहीं माने तो उसे पीटकर घायल कर दिया। इस मामले में पुलिस ने जांच कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश में आगरा, अलीगढ़, आजमगढ़, श्रावस्ती, बहराइच, कानपुर, मुरादाबाद, वाराणसी, मऊ, गोरखपुर सहित 75 जनपदों में जुमे की नमाज अदा की गई तो वहां मस्जिदों के बाहर ड्यूटी पर तैनात रहे पुलिसकर्मियों ने अपनी ठीक से उपस्थिति दर्ज करायी। विवाद वाली जगहों पर पुलिस अधिकारी, एसएसबी, पीएससी के जवान जमकर ड्यूटी करते मिले। वहीं मस्जिदों के ऊपर उड़ाकर ड्रोन से निगरानी भी की गई। उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि वक्फ संशोधन बिल के पास होने के बाद उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में शांतिपूर्ण ढंग से जुमे की नमाज संपन्न कराई गई। मस्जिदों के बाहर ड्रोन कैमरों, सीसीटीवी कैमरों से कड़ी निगरानी रखी गई। अभी तक प्रदेश में किसी घटना की सूचना नहीं है।

शोभायात्रा में जोश में होश न खोएं, डीजे पर प्रतिबंध है : डीएम

फारबिसगंज/अररिया (हिंस)। रामनवमी शोभायात्रा को लेकर फारबिसगंज आदर्श थाना के परिसर में डीएम अनिल कुमार व एसपी अंजनी कुमार के संयुक्त अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में सभी पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग और रामनवमी शोभायात्रा के आयोजन समिति के सदस्यगण मौजूद थे। अररिया एसपी अंजनी कुमार ने बैठक में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रथ यात्रा को ससमय दोपहर 02 बजे ही निकाल दें। रथ यात्रा के दौरान विधि व्यवस्था व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन के द्वारा चाक चौबंद व्यवस्था किया गया है। एसपी अंजनी कुमार ने कहा कि साउंड पर नियंत्रण जरूरी है, क्योंकि साउंड और गाना ही विवाद का कारण बनता है। डीएम ने कहा कि शांति व्यवस्था इस बैठक का लक्ष्य है। कुछ ऐसा न करें जिससे दूसरे को परेशानी हो।

बिहार के गया में एसटीएफ की कार्रवाई में तीन नक्सली गिरफ्तार, चार अत्याधुनिक राइफल भी बरामद

पटना (हिंस)। बिहार पुलिस मुख्यालय से दी गई जानकारी के मुताबिक बिहार के गया में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नक्सलियों के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियान में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने 3 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है, साथ इनके पास से कई अत्याधुनिक राइफल और गोली बरामद की है। बिहार एसटीएफ की विशेष टीम एवं गया जिला पुलिस की संयुक्त अभियान में कुख्यात नक्सली जोनल कमाण्डर विवेक यादव (जिसकी हत्या माह फरवरी 2025 में हो गई) के सहयोगी नक्सली रूपेश पासवान, बबलू कुमार और उदय कुमार को गया जिला के छक्करबंधा क्षेत्र के इमामगंज थाना अन्तर्गत तिलाठी पहाड़ी से छापामारी कर गिरफ्तार किया गया। साथ ही घने जंगलों में डम्प किए गए हथियार का जखीरा भी पुलिस ने बरामद किया। बरामद हथियारों में 3 सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर) रायफल (पुलिस से लूटा हुआ रायफल), एक 3006 सेमी ऑटोमेटिक रायफल (निजी व्यक्ति से लूटा हुआ रायफल), विभिन्न बोर का जिन्दा कारतूस 527, केनबम लगभग 05 किलो का, 6 डेटोनेटर वायर सहित, 7 मैगजीन (एसएलआर), 02 मैगजीन (इंसास), 04 चार्जर (एसएलआर), 02 चितकबरा बॉडी पाउच, एक वॉकी टाकी और एक मल्टी मीटर शामिल है। इस अभियान में लगभग 05 किलो का एक केनबम बरामद किया गया, जिसे बीडी टीम के द्वारा डिप्यूज कर दिया गया। बरामद एसएलआर के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार नक्सलियों द्वारा उक्त एसएलआर वर्ष 2013 में औरंगाबाद जिला के गोह थानान्तर्गत एमबीएल पुलिस कैम्प से लूटा गया था। गिरफ्तार तीनों नक्सली पूर्व के नक्सली जोनल कमाण्डर विवेक यादव (मृत) के लिए कार्य करते थे तथा लूटे गए आग्नेयास्त्र को घने जंगलों में छिपाकर रखते थे। जिसका उपयोग नक्सली घटना कारित करने के लिए किया जाता था। अब इस संबंध में गया पुलिस के द्वारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि एसटीएफ द्वारा नक्सलियों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई जारी है। जिसके तहत पिछले पंद्रह दिनों में नक्सली लाला शर्मा, बिक्रम यादव उर्फ कैलू यादव, मिथलेश कुमार सिंह, बल्ली राम, मिथलेश यादव, नरेश राम, कृष्णा पाल, छोटू सिंह उर्फ राकेश सिंह, लालू सिंह, छोटन कुमार, रामइकबाल मोची, बुधन यादव उर्फ उपेन्द्र, ब्रजेश सिंह, एक लाख रुपए का ईनामी राजेश यादव उर्फ बिहड़, मनोज यादव उर्फ गुड़िया को गिरफ्तार किया गया।

चैती छठ के चौथे दिन उदीयमान सूर्य को दिया गया अर्घ्य

अररिया (हिंस)। चैत्र मास में मनाया जाने वाला लोक आस्था के महापर्व छठ के अंतिम अर्थात चौथे दिन फारबिसगंज प्रखंड के परमान नदी सहित नहर, पोखर आदि में शुक्रवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया गया। चैती छठ को लेकर गुरुवार शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य प्रदान करने के बाद शुक्रवार सुबह में बड़ी संख्या में छठव्रती छठ घाट पर जमा हुए और विधि विधान के साथ भगवान भास्कर की पूजा अर्चना कर उगते सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया। घाट छठ से जुड़े लोक गीतों से गुंजायमान रहा। छठव्रती भी छठ गीतों को गुनगुनाते रहे। घाट पर जाने के लिए भक्त घर से अपने माथे या ठेलागाड़ी पर डाला लेकर पहुंचे। छठ को लेकर ज्योतिषाचार्य पंडित प्रमोद मिश्रा ने बताया कि किसी भी पर्व त्यौहार में उगते हुए सूर्य देव की ही पूजा अर्चना की जाती है, लेकिन छठ पूजा इसलिए भी खास है, क्योंकि यहां उगते और डूबते सूरज की पूजा की जाती है। मान्यता ऐसी है कि सूर्यास्त के बाद उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने से जीवन में चल रही सभी कठिनाइयां दूर होने के साथ सकारात्मक ऊर्जा का शरीर में संचार होता है। साथ ही सूर्य देव और छठी मां की कृपा से परिवार में सुख और शांति बनी रहती है।

भारत के सेवा क्षेत्र में गतिविधि में उत्पादन और बिक्री में मामूली गिरावट

नई दिल्ली

भारत के सेवा क्षेत्र में गतिविधि में उत्पादन और बिक्री में मामूली गिरावट के साथ मार्च महीने में थोड़ी धीमी रही है, इसकी जानकारी शुक्रवार को एक मासिक सर्वेक्षण से मिली है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा कारोबारी गतिविधि सूचकांक फरवरी के 59.0 से घटकर मार्च में 58.5 पर आ गया है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के अनुसार, 50 से ऊपर अंक का

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग काफी हद तक उत्साहजनक रही

मतलब है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है जबकि 50 से कम का आशय है कि संकुचन हो रहा है। एचएसबीसी के भारत के एक प्रमुख अर्थशास्त्री ने इस संकेत को तर्कसंगत बताया, भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च 2025 में 58.5 रही है जो पिछले महीने से थोड़ा कम है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग काफी हद तक उत्साहजनक रही, हालांकि यह पिछले महीने की तुलना में क्रमिक रूप से कम रही। कीमत की दृष्टि से मार्च में तैयार माल शुल्क पर मुद्रास्फीति साढ़े तीन साल के निचले स्तर पर आ गई है।

सर्वेक्षण प्रतिभागियों के अनुसार, मार्च में सेवा अर्थव्यवस्थाओं में भर्तियों की गतिविधि में कमी आई है। उपभोक्ता सेवा कंपनियां मार्च में सबसे अधिक उत्साहित रही हैं, उसके बाद वित्त एवं बीमा, रियल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाएं, तथा परिवहन, सूचना और संचार सेक्टर। इस दौरान, भारतीय निजी क्षेत्र की गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं, क्योंकि कंपनियों ने नए ऑर्डरों में वृद्धि का स्वागत किया है। एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट आउटपुट सूचकांक फरवरी के 58.8 से मार्च में सात महीने के उच्च स्तर 59.5 पर पहुंच गया है।

न्यूज ब्रीफ

व्हाइट हाउस के दस्तावेज में भारत पर शुल्क 27 से घटाकर किया गया 26 प्रतिशत

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के दस्तावेज में भारत पर लगाए जाने वाले आयात शुल्क को 27 प्रतिशत से घटाकर 26 प्रतिशत कर दिया है। शुल्क नौ अप्रैल से लागू होंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विभिन्न देशों के खिलाफ जवाबी शुल्क की घोषणा करते हुए एक चार्ट दिखाया था जिसमें भारत, चीन, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे देशों पर लगाई जाने वालीं नई शुल्क दरों का उल्लेख था।चार्ट के अनुसार, भारत ''मुद्रा हेरफेर और व्यापार बाधाओं'' सहित 52 प्रतिशत शुल्क लेता है और अमेरिका अब भारत से 26 प्रतिशत का रियायती जवाबी शुल्क वसूलेगा। हालांकि, व्हाइट हाउस के दस्तावेजों में भारत पर 27 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने का जिक्र था लेकिन नवीनतम अद्यतन दस्तावेज में इसे घटाकर 26 प्रतिशत कर दिया गया है। इस संबंध में पूछे जाने पर उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि शुल्क के एक प्रतिशत कम होने का ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

थॉमस कुक इंडिया के ब्रांड एंबेसडर बने कार्तिक आर्यन

मुंबई। विदेशी मुद्रा सेवा प्रदाता थॉमस कुक इंडिया ने बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन को अपने बॉर्डरलेस यात्रा कार्ड के लिए ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि यह कदम विशेष रूप से युवा भारत को लक्षित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। कार्तिक आर्यन अपने करिश्माई व्यक्तित्व और युवाओं के साथ मजबूत जुड़ाव के लिए जाने जाते हैं। उनका प्रशंसक आधार, आकांक्षात्मक छवि, और विशेष रूप से मिलेनियल्स और जेनजेड के बीच उनकी पहचान उन्हें एक प्रमुख प्रभावशाली व्यक्ति बनाती है। वह भारत के नए युग के यात्री की भावना को व्यक्त करते हैं, जो उन्हें थॉमस कुक के फॉरेक्स विशेषज्ञता का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है ।

पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए है और डीजल प्रति लीटर 87.62 रुपए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार जल्द ही पेट्रोल-डीजल के दाम में राहत दे सकती है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत की बात करें तो ये 94.72 रुपए है और डीजल प्रति लीटर 87.62 रुपए है। इसके अलावा मुंबई में प्रति लीटर की कीमत 103.94 रुपए और डीजल प्रति लीटर के दाम 89.97 रुपए है। वहीं कोलकाता में प्रति लीटर पेट्रोल का भाव 103.94 रुपए और डीजल का भाव 90.76 रुपए है। आखिर में चेन्नई में प्रति लीटर पेट्रोल का दाम 100.85 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.44 रुपए प्रति लीटर है। इससे पहले 14 मार्च को लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पेट्रोल और डीजल के दाम 2 रुपए प्रति लीटर कम हुए थे। जबकि, उससे पहले 22 मई 2022 में सरकार ने एक्साइज ड्यूटी कम की थी, जिसके बाद पेट्रोल 13 रुपए प्रति लीटर और डीजल 16 रुपये प्रति लीटर सस्ता हुआ था। वहीं, पेट्रोलियम मंत्री ने हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अगर ग्लोबल लेबल पर कच्चे तेल की कीमत अभी की तरह रही तो देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में कमी देखने को मिल सकती है।

ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की आंच से झुलसा विश्व, दुनिया के 500 अमीरों को लगा 17.73 लाख करोड़ रुपये का चूना

नई दिल्ली

अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी के कारण दुनिया भर के स्टॉक मार्केट में हड़कंप मचा हुआ है। अमेरिका समेत विश्व के ज्यादातर देशों के स्टॉक मार्केट बड़ी गिरावट का शिकार हो गए हैं, जिसकी वजह से दुनिया के सबसे अमीर 500 लोगों को भी बड़े नुकसान का सामना करना पड़ा है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार ग्लोबल लेवल पर बाजारों में आई जोरदार गिरावट के कारण विश्व के टॉप 500 अमीरों की दौलत में 20.80 हजार करोड़ डॉलर यानी करीब 17.73 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। बताया जा रहा है कि कोरोना महामारी के बाद एक दिन में दौलत में आई ये सबसे बड़ी गिरावट है, जबकि पिछले 13 साल के इतिहास में एक दिन में ये चौथी सबसे बड़ी गिरावट है।

बाजार की गिरावट के बावजूद अडाणी की बढ़ी दौलत

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार बाजार में आई जोरदार गिरावट के कारण सबसे अधिक नुकसान मेटा (फेसबुक) के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग को हुआ है। उनकी दौलत 1 दिन में ही करीब 17.9 अरब डॉलर यानी करीब 9 प्रतिशत घट कर 189 अरब डॉलर के स्तर पर आ गई। इस साल जनवरी से लेकर फरवरी के मध्य तक मेटा के मार्केट कैप में करीब 35 हजार डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन फरवरी के दूसरे पखवाड़े से लेकर अभी तक यह कंपनी लगातार गिरावट का सामना कर रही है। इस अवधि में मेटा के शेयर करीब 28 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। दुनिया भर के बाजारों में आई गिरावट के कारण नुकसान झेलने वालों में दूसरा स्थान अमेजॉन के फाउंडर जैफ बेजॉस का है। अमेजॉन के शेयर गुरुवार के कारोबार में 9 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का शिकार हो गए। अप्रैल 2022 के बाद अमेजॉन के शेयर में एक दिन में ये सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण जैफ बेजॉस की दौलत एक दिन में ही 15.9 अरब डॉलर घटकर 201 अरब रह गई। अमेजॉन के शेयर इस साल फरवरी में अपने सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गए थे, लेकिन उसके बाद से लेकर अभी तक ये शेयर करीब 25 प्रतिशत टूट चुके हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू की गई नई टैरिफ पॉलिसी से उनके करीबी सहयोगी और दुनिया के सबसे दौलतमंद व्यक्ति एलन मस्क भी नहीं बच सके हैं। गुरुवार की गिरावट में दौलत गंवाने वालों में एलन मस्क तीसरे स्थान पर रहे हैं। बाजार में आई कमजोरी के कारण एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयर 5.5 प्रतिशत तक टूट गए, जिसकी वजह से मस्क की संपत्ति 11 अरब डॉलर कम होकर 322 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई।

स्टॉक मार्केट्स में गुरुवार को चली आंधी के कारण दुनिया के पांचवें सबसे अमीर शख्स बर्नार्ड अर्नॉल्ट की दौलत 6.22 अरब डॉलर घट कर 163 अरब डॉलर के स्तर तक आ गई। अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी के तहत यूरोपीय यूनियन पर 20 प्रतिशत का फ्लैट टैरिफ लगाया गया है। इसकी वजह से लग्जरी गुड्स और अल्कोहल का निर्यात भी काफी प्रभावित हुआ है। नई टैरिफ व्यवस्था के कारण फ्रांस में लिस्टेड क्रिश्चियन डियोर, बुल्गारी और लोरो पियाना के शेयरों को करारा झटका लगा है। इसका असर इन कंपनियों की पैरेंट ग्रुप एलवीएमएच के ग्रुप सीईओ बर्नार्ड अर्नॉल्ट की दौलत में आई की कमी के रूप में सामने आया है।

दुनिया के टॉप दौलतमंदों में से करीब 500 लोगों की दौलत में गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन दुनिया के बीसवें और भारत के दूसरे सबसे बड़े अमीर गौतम अडाणी की दौलत गुरुवार को 1.39 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 76.2 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई। इसी तरह दुनिया के 18वें सबसे अमीर व्यक्ति मेक्सिको के कार्लोस स्लिम की दौलत में 2.95 अरब डॉलर का इजाफा हो गया। दौलत में हुई इस बढ़ोतरी के साथ ही कार्लोस स्लिम की संपत्ति बढ़कर 85.5 अरब डॉलर हो गई है।

रेलवे की अनूठी पहलः रेल यात्रियों के गुम हुए मोबाइल फोन की तेज रिकवरी

नई दिल्ली

रेलयात्रियों के खोए या गायब हुए मोबाइल फोन को ढूंढ़ने में मदद के लिए भारतीय रेलवे का पहला कदम उठाया गया है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने दूरसंचार विभाग के साथ हाथ मिलाकर दूरसंचार विभाग के सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल के माध्यम से खोए फोनों की तेज रिकवरी में सहायक बनने का ऐलान किया है। यह पहल नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) में एक पायलट प्रोग्राम के विजयपूर्ण परिणाम के बाद शुरू की गई है। रेलमंत्रालय द्वारा यह पहल पूरे देश में लागू की जाएगी जिससे करोड़ों रेलयात्रियों को लाभ मिलेगा। यात्रियों को अपने गुम हुए मोबाइल फोन प्राप्त करने के लिए रेल मदद या 139 नंबर डायल करके रिपोर्ट करने का विकल्प मिलेगा। अगर यात्री एफआईआर दर्ज कराना नहीं चाहते तो वे सीईआईआर पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

सीईआईआर पंजीकरण के बाद, आरपीएफ की जोनल साइबर सेल शिकायत को सीईआईआर पोर्टल पर

यह पहल पूरे देश में लागू की जाएगी जिससे करोड़ों रेलयात्रियों को लाभ मिलेगा

दर्ज करेगी और उसके बाद डिवाइस को ब्लॉक कर देगी। अगर नई सिम के साथ खोए गए फोन का पता लगता है, तो विकल्पकर्ता को निकटतम आरपीएफ पोस्ट पर लौटाने की सलाह दी जाएगी। सीईआईआर पोर्टल द्वारा दूरसंचार विभाग द्वारा शुरू किया गया यह प्लेटफॉर्म, खोए उपकरणों को ब्लॉक करने, ट्रैक करने और प्रबंधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आरपीएफ अब खोए मोबाइल फोन को उनके आईएमईआई नंबर को ब्लॉक करके बेकार कर सकेगा, जिससे इन उपकरणों के अवैध कब्जे और दोबारा बेचने पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। आरपीएफ ने नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया था जिससे कई खोए हुए मोबाइल फोनों की सफल रिकवरी हुई और मोबाइल चोरी में शामिल व्यक्तियों को पकड़ा गया।

फॉर्च्यूनर में एलपीजी किट इंस्टॉल कर पेश किया नया विकल्प

केंद्र सरकार द्वारा डीजल इंजन पर संभावित प्रतिबंध को देखते हुए फॉर्च्यूनर के वैकल्पिक ईंधन विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। इसी क्रम में थाईलैंड की हांगटोंग गैस कंपनी ने फॉर्च्यूनर में एलपीजी किट इंस्टॉल कर एक नया विकल्प पेश किया है। हांगटोंग गैस प्रिंस ब्रांड की एलपीजी किट का उपयोग करती है, जिसे दुनियाभर में पेट्रोल वाहनों के लिए उपयुक्त माना जाता है। इस किट को लगाने के लिए एसयूवी के स्पेयर-व्हील स्लॉट में डोनट-शेप सिलेंडर लगाया गया है, जिससे बूट स्पेस पर कोई असर नहीं पड़ता। कंपनी का दावा है कि इस किट से न केवल ईंधन लागत कम होगी, बल्कि एक्सेलेरेशन और ड्राइविंग अनुभव भी बेहतर होगा। भारत में एलपीजी एक सस्ता और आसानी से उपलब्ध ईंधन है, जिससे फॉर्च्यूनर जैसी एसयूवी को चलाना अधिक किफायती बन सकता है। यदि यह तकनीक सफल होती है, तो यह पेट्रोल और डीजल के मुकाबले एक बढ़िया विकल्प साबित हो सकती है। फिलहाल, टोयोटा फॉर्च्यूनर 2.8-लीटर डीजल (201 बीएचपी, 420 एनएम) और 2.7-लीटर पेट्रोल (164 बीएचपी, 245 एनएम) इंजन ऑप्शन में उपलब्ध है।

ग्लोबल मार्केट से जबरस्त कमजोरी के संकेत, एशियाई बाजारों में भी गिरावट

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट में चौतरफा गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी के कारण दुनिया भर के सभी स्टॉक मार्केट बुरी तरह से टूट गए हैं। खुद अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के कारोबार के दौरान करीब 6 प्रतिशत तक की गिरावट का शिकार हो गए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार होकर बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी कमजोरी नजर आ रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के कारण अमेरिकी बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान हड़कंप मचा रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक जबरदस्त गिरावट का शिकार हो गए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 274.45 अंक यानी 4.84 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,396.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 1,050.44 अंक यानी 5.97 प्रतिशत टूट कर 16,550.61 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 239.18 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 40,306.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का

दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 133.74 अंक यानी 1.58 प्रतिशत लुढ़क कर 8,474.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 259.85 अंक यानी 3.42 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 7,598.98 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 673.45 अंक यानी 3.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,717.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी गिरावट का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। हॉन्ग कॉन्ग, ताइवान, इंडोनेशिया और चीन के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से हैंग सेंग इंडेक्स, ताइवान वेटेड इंडेक्स, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 289.50 अंक यानी 1.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,025 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.66 प्रतिशत टूट कर 2,445.47 अंक के स्तर पर आ गया है। निक्केई इंडेक्स में जोरदार गिरावट दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री योगी ने 6500 करोड़ की एलडीए की आवासीय योजना का किया शुभारम्भ

एलडीए की सबसे बड़ी अनंत नगर योजना छह हजार पांच सौ करोड़ की लागत से 785 एकड़ में है प्रस्तावित

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की अभी तक की सबसे बड़ी अनंत नगर आवास योजना में भूखण्डों के लिए पंजीकरण का शुभारम्भ किया।

छह हजार पांच सौ करोड़ की लागत से 785 एकड़ में प्रस्तावित एलडीए की अनंत नगर योजना के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने कहा कि दौर में ऊंची इमारतों के निर्माण में पांच से दस वर्ष लगते थे लेकिन उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कुछ ही महीनों में निर्माण कार्य पूरा किया जा सकता है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि इस परियोजना में आधुनिक प्रौद्योगिकी को भी शामिल किया जाए। ताकि हरित और आध्यात्मिक माहौल के साथ किफायती और उच्च गुणवत्ता वाले आवास उपलब्ध हों।

मुख्यमंत्री योगी अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि लोगों को बेहतर आवास विकल्प और जीवन जीने की सुगमता में सुधार हो। इस दिशा में बीते दस वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को श्रेय जाता है।

आवास क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी लाना और समय से पहले परियोजनाएं पूरी करना समय की मांग है। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने इस दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। लगभग सात हजार करोड़ रुपये के निवेश से विकसित 785 एकड़ की अनंत नगर परियोजना के निकट में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक्सप्रेस वे और लखनऊ रिंग रोड है। इस योजना में शैक्षणिक संस्थानों, ऊंची आवासीय इमारतों और किफायती आवास भूखंडों के लिए जगहों को एलडीए ने चिन्हित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना में डेढ़ लाख लोगों को आवास उपलब्ध कराने की योजना है। दस हजार फ्लैटों और भूखंडों वाले सात सेक्टर का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और निम्न आय वर्ग (एलआईजी) श्रेणियों में पांच हजार आवास इकाइयां 25 हजार से अधिक लोगों को लाभान्वित करेंगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तीन हजार मकान उपलब्ध कराए जाएंगे। टाउनशिप के हिस्से के रूप में 130 एकड़ का पार्क और एडुटेक सिटी बनाने की भी योजना बनाई गई है। वहीं भूखंडों और आवासों के आवंटन में मध्यस्थ या दलाल को शामिल नहीं किया जाना चाहिए। लखनऊ विकास प्राधिकरण परियोजना के पारदर्शी कार्यान्वयन की देखरेख करेगा।

अर्थव्यवस्था के लिए अनंत योजना को आवश्यक बताते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बड़े स्तर पर आवास योजना से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। उत्तर प्रदेश राज्य को एक हजार अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

आशा है कि ये पहल लोगों के जीवन में बदलाव भी लाएगी, उन्हें बेहतर आवास और अधिक आरामदायक जीवन शैली प्रदान करेंगी। इस योजना के अत्यधिक लोकप्रिय होने की उम्मीद है।

हैदराबाद पर मिली जीत के बाद केकेआर के उपकप्तान वेंकटेश अय्यर ने कहा–सकारात्मक लेकिन सही इरादे दिखाना जरूरी

कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के उप–कप्तान वेंकटेश अय्यर ने टाटा आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) पर मिली 80 रनों की धमाकेदार जीत के बाद टीम के प्रदर्शन पर विस्तार से बात की। उन्होंने मैच की स्थितियों को पढ़ने और उसी के अनुसार ढलने के महत्व को रेखांकित किया। अय्यर ने 29 गेंदों में 7 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 60 रनों की तेज़तर्रार पारी खेली, जिससे केकेआर ने ईडन गार्डन्स में पिछले सीज़न के फाइनल की पुनरावृत्ति में 200 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। अय्यर ने मैच के बाद कहा, आक्रामकता का एक मूल लेकिन महत्वपूर्ण अर्थ है सकारात्मक लेकिन सही इरादा दिखाना, अगर हमारी टीम 50 पर 6 है और मैं तब भी हर गेंद को हिट करने जाऊं, तो वह भले ही सकारात्मक लगे, लेकिन सही नहीं है। स्मार्ट क्रिकेटर कहलाने के लिए ज़रूरी है कि हम स्थिति को समझें और फिर प्रतिक्रिया दें। अय्यर ने स्पष्ट किया कि केकेआर के लिए आक्रामकता का मतलब हर गेंद पर बाउंड्री मारना नहीं है। आक्रामकता का अर्थ है परिस्थितियों को समझना और उन्हें अपने पक्ष में कैसे मोड़ा जाए, यह जानना। उन्होंने कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा बल्लेबाज़ अंकृष रघुवंशी की भी सराहना की, जिनकी सलाह ने उन्हें पिच को बेहतर ढंग से समझने में मदद की। रहाणे और अय्यर ने 51 गेंदों में 81 रनों की साझेदारी की, जिसमें रहाणे ने 38 रन बनाए और रघुवंशी ने अर्धशतक जमाया। अय्यर ने कहा, टाइमआउट के दौरान मुख्य बातचीत अजिंक्य और अंकृष द्वारा की गई। उन्होंने यह समझाया कि यह पिच इतनी आसान नहीं है कि आते ही हिटिंग शुरू कर दें। आपको थोड़ा समय लेना होगा। केकेआर की बल्लेबाज़ी रणनीति में अय्यर और रिंकू सिंह ने आधार तैयार किया, जिसके बाद अंतिम ओवरों में आक्रमण की योजना थी।

अय्यर ने कहा, मेरे पास यह लग्ज़री है कि हमारे पास रिंकू, रमनदीप और रसेल जैसे बल्लेबाज़ हैं। अगर मैं कुछ गेंदें लेता हूं, तो भी हम उसे कवर कर सकते हैं। हमारे पास एक इंजन रूम है जो किसी भी गेंदबाज़ी आक्रमण को ध्वस्त कर सकता है। एसआरएच की अत्यधिक आक्रामक बल्लेबाज़ी रणनीति पर बात करते हुए, जिसे केकेआर के गेंदबाज़ों – विशेषकर वैभव अरोड़ा और वरुण चक्रवर्ती (तीन–तीन विकेट) – ने धराशायी कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

हॉपमैन कप मिश्रित टीम टेनिस टूर्नामेंट 16 से 20 जुलाई तक, इटली करेगा मेजबानी

बारी (इटली)। प्रतिष्ठित हॉपमैन कप का आयोजन इस वर्ष 16 से 20 जुलाई तक इटली के बारी शहर में किया जाएगा। यह टूर्नामेंट विंबलडन के एक हफ्ते बाद आयोजित होगा। इस मिश्रित टीम टूर्नामेंट में इटली, फ्रांस, स्पेन, ग्रीस, कनाडा और गत विजेता क्रोएशिया की टीमें हिस्सा लेंगी। हॉपमैन कप में हर टीम में एक पुरुष और एक महिला खिलाड़ी शामिल होता है। प्रत्येक टाई में एक पुरुष एकल, एक महिला एकल और एक मिश्रित युगल मैच खेला जाता है। यह टूर्नामेंट एटीपी या डब्ल्यूटीए रैंकिंग अंक प्रदान नहीं करता। मेजबान इटली की ओर से जैस्मिन पाओलिनी और फ्लावियो कोबोली खेलेंगे। अन्य देशों की टीमों की घोषणा अभी नहीं हुई है। पाओलिनी पिछले साल फ्रेंच ओपन और विंबलडन की महिला एकल उपविजेता रही थीं और उन्होंने पेरिस ओलंपिक में सारा एरानी के साथ महिला युगल का स्वर्ण पदक भी जीता था। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज हैरी हॉपमैन के नाम पर शुरू हुआ यह टूर्नामेंट 1989 से 2020 तक लगातार खेला गया। 2023 में इसे फ्रांस में दोबारा शुरू किया गया था, जहां क्रोएशिया के डोना वेकिक और बोर्ना चोरिच की जोड़ी ने खिताब जीता था। करीब तीन दशक तक यह टूर्नामेंट पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) में नए साल की शुरुआत में आयोजित होता रहा। पिछले साल यह टूर्नामेंट फ्रांस के नीस में होना था, लेकिन ओलंपिक के नजदीक होने के चलते इसे रद्द कर दिया गया था। बारी में इसका आयोजन इटली के व्यस्त टेनिस कैलेंडर में एक और आयोजन को जोड़ता है, जहां मई में इटालियन ओपन, और नवंबर में एटीपी फाइनल्स व डेविस कप फाइनल्स भी आयोजित होते हैं।

पंचकूला में होगा पहला नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता

नई दिल्ली। हरियाणा के पंचकूला में 24 मई को पहली बार नीरज चोपड़ा क्लासिक (एनसी क्लासिक)

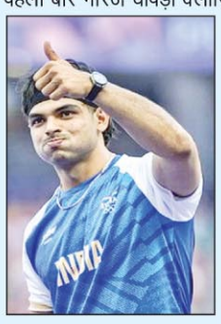

प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विश्व एथलेटिक्स ने गुरुवार को इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता की पुष्टि की है। यह प्रतियोगिता वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड कैटेगरी इवेंट होगी, जो इसे विश्व चैंपियनशिप के लिए एक महत्वपूर्ण क्वालीफिकेशन स्पर्धा बना देगी। इस इवेंट में शीर्ष अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है। प्रतियोगिता का आयोजन पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में किया जाएगा। वर्तमान विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा अपने 2025 सीजन की शुरुआत 16 मई को कतर में होने वाले दोहा डायमंड लीग से करेंगे। यह इवेंट नीरज चोपड़ा क्लासिक से ठीक एक सप्ताह पहले होगा। नीरज ने भारत में अपना पिछला इवेंट 2024 फेडरेशन कप में खेला था, जहां उन्होंने 82.27 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था।

दोनो हाथों से गेंदबाजी करने वाले आईपीएल इहिहास के एकमात्र गेंदबाज हैं कामिंदू

मुम्बई। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे ऑफ स्पिनर कामिंदू मेंडिस दोनो ही हाथों से गेंदबाजी करने के कारण सबके आकर्षण का केन्द बने हुए हैं। उन्होंने ईडन गार्डन में हुए पहले ही मैच में दोनों हाथों से गेंदबाजी करते हुए विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। वह आईपीएल इतिहास में ऐसा करने वाले पहले पुरुष गेंदबाज हैं। मेंडिस को टीम ने केवल 75 लाख रुपए में खरीदा पर उनका प्रदर्शन इससे कहीं अच्छा रहा है। वह श्रीलंका की टीम के लिए तीनों प्रारूपों में खेलते हैं। वहीं घरेलू क्रिकेट में वह कोलंबो क्रिकेट क्लब में शामिल हैं। मेंडिस ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत अक्टूबर 2018 में टी20 प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ की थी। इसके बाद से ही वह टेस्ट और एकदिवसीय में भी श्रीलंका की ओर से खेलते रहे हैं। वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते है। उनके नाम कई रिकार्ड भी हैं। मेंडिस टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही 8 मैचों में 50 से अधिक रन बनाने वाले टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहले बल्लेबाज हैं। उन्होंने अपने डेब्यू के बाद लगातार 8 टेस्ट मैचों में 50 से अधिक रन बनाए हैं। यह रिकॉर्ड उन्होंने साल 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ गॉल टेस्ट में बनाया था। मेंडिस ने मात्र 13 टेस्ट पारियों में 5 शतक लगाये हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ दो–दो। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ एक शतक लगाया है। इससे वह युवा टेस्ट बल्लेबाजों में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। इस क्रिकेटर ने 12 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 74.72 की औसत से 1,184 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक और 4 अर्धशतक शामिल हैं।

आईएसएल–दूसरे सेमीफाइनल का पहला मैच : मोहन बागान को पटकनी देकर जमशेदपुर ने बढ़त बनाई

जमशेदपुर

जमशेदपुर एफसी ने गुरुवार रात उलटफेर भरी जीत हासिल कर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के दूसरे डबल-लेग सेमीफाइनल में लीग शील्ड विजेता मोहन बागान सुपर जायंट्स 1-0 की बढ़त बनी ली है। मेजबान टीम जमशेदपुर एफसी ने अपने घरेलू मैदान जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए आईएसएल 2024-25 के दूसरे सेमीफाइनल के पहले चरण के मुकाबले में फेवरेट मोहन बागान सुपर जायंट पर 2-1से उलटफेर भरी जीत दर्ज की। रेड माइनर्स की शानदार जीत में स्पेनिश स्ट्राइकर हावी सिवेरियो ने 24वें और कप्तान व स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर हावी हर्नांडेज ने 90+1वें मिनट में गोल किए।

मेजबान टीम के कप्तान हावी हर्नांडेज को निर्णायक गोल करने और पूरे समय मैदान पर मशक्कत करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। जमशेदपुर की अप्रत्याशित जीत से मुख्य कोच खालिद जमील निश्चित तौर पर प्रसन्न होंगे, क्योंकि साल्ट लेक स्टेडियम में खेले जाने वाले सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में उनकी टीम पर दबाव कम होगा। वहीं, जीत की दावेदार होने के बावजूद मोहन बागान सुपर जायंट की इस हार से स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना जरूर निराश होंगे, क्योंकि उनकी टीम को अपने घर पर बेहतर गोल अंतर के साथ जीत हर हाल में हासिल करनी पड़ेगी।

मैच का पहला गोल 24वें मिनट में आया, जब स्पेनिश स्ट्राइकर हावी सिवेरियो ने जमशेदपुर एफसी को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1–0 कर दिया। अटैकिंग थर्ड पर बायीं तरफ टच–लाइन से थ्रो–इन पर लेफ्ट–बैक मोहम्मद ओवैस ने गेंद को बॉक्स के अंदर फेंका, जिस पर नियर पोस्ट से नाइजीरियाई सेंटर–बैक स्टीफन ने हैडर से गेंद को फ्लिक करके फार पोस्ट की तरफ पहुंचा, जहां छह गज के खतरनाक इलाके में मौजूद सिवेरियो ने सटीक हैडर लगाया और गेंद टिप्पा खाकर राइट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में जा उलझी जबकि मोहन बागान सुपर जायंट के गोलकीपर विशाल कैथ के पास बचाव का कोई मौका नहीं था। 37वें मिनट में ऑस्ट्रेलियाई फॉरवर्ड जैसन कमिंग्स ने फ्री–किक पर शानदार गोल करके मोहन बागान सुपर जायंट को 1–1 की बराबरी दिला दी। अटैकिंग थर्ड पर मिली फ्री–किक पर जैसन ने लगभग 35 गज की दूरी से करारा लेफ्ट फुटर शॉट लगाकर गेंद को टॉप राइट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में उलझा दिया जबकि जमशेदपुर एफसी के गोलकीपर एल्बिनो गोम्स अपने बायीं तरफ डाइव लगाने के बावजूद बचाव करने में विफल रहे। चार मिनट के स्टॉपेज टाइम के दौरान 90+1वें मिनट में मेजबान टीम के कप्तान व स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर हावी हर्नांडेज ने गोल करके जमशेदपुर एफसी को फिर से बढ़त दिलाते हुए स्कोर 2–1 कर दिया। एक जवाबी हमले के दौरान स्थानापन्न विंगर रित्विक दास ने बायीं तरफ बॉक्स के बाहर से गेंद को माइनस करके सेंटर किया, जहां पीछे से दौड़ कर बॉक्स के अंदर पहुंचे कप्तान हर्नांडेज ने पहले ही टच पर करारा लेफ्ट फुटर शॉट लगाकर गेंद को सीधे गोल जाल में उलझा दिया जबकि गोलकीपर विशाल कैथ ने अपने बायीं तरफ डाइव लगाकर बचाव करने की कोशिश जरूर की लेकिन नाकाम हुए।

पहला हाफ बराबरी के मुकाबले वाला रहा, क्योंकि मेजबान टीम ने स्पेनिश स्ट्राइकर हावी सिवेरियो के गोल से बढ़त बनाई जबकि मोहन बागान सुपर जायंट ने ऑस्ट्रेलियाई फॉरवर्ड जैसन कमिंग्स के गोल की बदौलत बराबरी हासिल की। लिहाजा, दोनों टीमें 1–1 की बराबरी के साथ हाफ टाइम ब्रेक पर गईं। गेंद पर ज्यादा नियंत्रण मोहन बागान सुपर जायंट का 74 फीसदी रहा। उसकी ओर से तीन प्रयास किए गए, जिनमें से एक शॉट टारगेट पर रहा और उसी पर गोल आया। वहीं, गेंद पर 26 फीसदी कब्जा रखने वाले रेड माइनर्स ने चार प्रयास किए जिनमें से तीन शॉट टारगेट पर रखे और एक पर गोल आया। दूसरे हाफ में जमशेदपुर ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। कप्तान व स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर हावी हर्नांडेज ने 90+1वें मिनट में गोल कर जमशेदपुर को 2–1 की बढ़त दिलाई और यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

खिलाड़ियों को जड़ी-बूटी आधारित सप्लीमेंट्स के अंधाधुंध उपयोग से बचने की चेतावनी, पूरी नींद जरूरी

पटियाला

नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस) में हाल ही में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हरमोनाइजिंग मूवमेंट: योग और खेल विज्ञान का समन्वय में विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि खिलाड़ियों में नींद की कमी और हर्बल सप्लीमेंट्स का लापरवाह उपयोग उनकी सेहत और प्रदर्शन पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में मेडिसिन के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सतबीर सिंह खालसा ने कहा कि योग नींद को बेहतर बनाता है, जिससे मोटापा, मधुमेह, स्ट्रोक और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा, नींद मानसिक और शारीरिक पुनर्प्राप्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसलिए खेल शिक्षा में नींद के महत्व को शामिल करना चाहिए।

पूर्व भारतीय महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल ने भी इस बात से सहमति जताई। उन्होंने कहा, योग आपके मन को नियंत्रित करने में मदद करता है। खेल के दबाव वाले पलों में यह आत्मसंयम बनाए रखने में सहायक होता है। आधुनिक खेलों में मानसिक नियंत्रण, शारीरिक कौशल जितना ही महत्वपूर्ण हो गया है।

सम्मेलन में हर्बल सप्लीमेंट्स के दुरुपयोग पर भी जोरदार चर्चा हुई। खेल प्राधिकरण (साई) के एथलेटिक्स हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर डॉ. वज़ीर सिंह फोगाट ने कहा कि खिलाड़ी ताकत, सहनशक्ति, इम्युनिटी और रिकवरी बढ़ाने के लिए हर्बल सप्लीमेंट्स का सहारा लेते हैं, जिन्हें अक्सर प्राकृतिक और सुरक्षित माना जाता है। हालांकि, खेल मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 के बीच राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा कुल 186 डोपिंग उल्लंघन के मामले दर्ज किए गए, जिनमें से सबसे अधिक मामले एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग और पावरलिफ्टिंग में पाए गए। आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. शिवकुमार हारती (एम्स, नई दिल्ली) ने कहा कि हर्बल सप्लीमेंट्स का सेवन खिलाड़ी की प्रशिक्षण तीव्रता, शारीरिक स्थिति और व्यक्तिगत लक्ष्य के अनुसार ही होना चाहिए। खेल पोषण विशेषज्ञ डॉ. वाणी भूषणम गोला ने चेताया कि बिना विशेषज्ञ सलाह के हर्बल सप्लीमेंट्स का सेवन विषाक्तता या हार्मोनल असंतुलन का कारण बन सकता है।

सर्बिया में फीफा प्रेसीडेंट गियानी इनफेंटिनो व यूईएफए प्रेसीडेंट एलेकसेंडर सीफेरिन

सर्बिया में फीफा प्रेसीडेंट गियानी इनफेंटिनो व यूईएफए प्रेसीडेंट एलेकसेंडर सीफेरिन कांग्रेस के दौरान तस्वीरों के साथ पोज देते हुए।

अनुभवी पिस्टल शूटर राही सरनोबत ने बताई जीवन के सबसे कठिन दौर से उबरने की कहानी

देहरादून

अनुभवी पिस्टल शूटर और दो बार की ओलंपियन राही सरनोबत ने राष्ट्रीय खेलों 2025 में जबरदस्त वापसी करते हुए महिलाओं की 25 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। 34 वर्षीय राही के लिए यह जीत केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि उनके जीवन के सबसे कठिन दौर से उबरने की कहानी है।

हाउस ऑफ ग्लोरी पॉडकास्ट (गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन की पहल) के एक हालिया एपिसोड में राही ने अपने संघर्षों के बारे में खुलकर बात की कि कैसे उन्होंने न्यूरोपैथिक पेन सिंड्रोम जैसी जटिल और रहस्यमयी बीमारी से लड़ाई लड़ी और अब एक बार फिर ओलंपिक पदक के सपने को जीने के लिए मैदान में उतरी हैं।

राही के बीमार होने की शुरुआत 2022 में हुई, जब वे वर्ल्ड चैंपियनशिप के नेशनल कैंप के लिए तैयारी कर रही थीं। अचानक उन्हें शरीर में जलन और तंत्रिकाओं में दर्द जैसी समस्याएं महसूस होने लगीं। कई टेस्टों के बावजूद कोई ठोस निदान नहीं मिला। उन्होंने बताया मैं बिस्तर पर लेट भी नहीं सकती थी, महीनों तक बैठकर सोती थी। बाद में न्यूरोलॉजिकल जांचों के बाद उन्हें न्यूरोपैथिक पेन सिंड्रोम का पता चला। उन्होंने कहा, इस बीमारी का न तो कोई निश्चित पैटर्न है, न ही कोई तय इलाज। यह हर व्यक्ति की मेडिकल हिस्ट्री पर निर्भर करता है। यही बात इसे और भी डरावना बना देती है।

राही ने बताया कि वे महीनों तक दिन में 17–20 घंटे सोती थीं, और बस छत को घूरती रहती थीं। उन्होंने कहा, मैं सामान्य जीवन नहीं जी पा रही थी, मैं बस वापस जिंदगी में लौटना चाहती थी, खेल तो बाद की बात थी। यह पहली बार नहीं था जब राही को खेल में वापसी करनी पड़ी हो। 2014 में उनकी शूटिंग हाथ की कोहनी में हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया था, जिससे उबरने में उन्हें सात महीने लगे। फिर उन्होंने वापसी करते हुए 2018 एशियाई खेलों में स्वर्ण जीता और 2021 टोक्यो ओलंपिक में भाग लिया, लेकिन राही के अनुसार इस बार की वापसी बिल्कुल अलग रही।

उन्होंने बताया, पिछली बार यह एक सामान्य चोट थी, जिसका तय इलाज और प्रक्रिया थी, लेकिन इस बार तो मैं सिर्फ सामान्य जीवन जीने की चाह रख रही थी। शूटिंग तो सोच में भी नहीं थी। ठीक होने की राह भी आसान नहीं रही। न्यूरोलॉजिस्ट ने उन्हें दर्द के बावजूद फिजियोथेरेपी शुरू करने की सलाह दी। उनकी पहली कसरत थी – 20 मिनट तक बैठकर एक टीवी शो देखना। लेकिन अत्यधिक थकान के कारण वे यह भी नहीं कर पाईं। फिजियोथेरेपिस्ट ने उनके साथ दिन में कई घंटे काम किया।

आज राही खुद को एक बदली हुई एथलीट मानती हैं। उन्होंने कहा, अब मैं खुद के लिए खेलती हूं। अब यह दुनिया को कुछ साबित करने के लिए नहीं है। यह मेरा सपना है, जिसे एक कारण से मेरे अंदर डाला गया है। मैं इसे एक और मौका देना चाहती हूं।

उन्होंने अंत में कहा, अब खोने को कुछ नहीं है, इसलिए मैं और भी साहसी बन गई हूं। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे उस व्यक्ति के रूप में याद करें जिसने चीजों को मुमकिन बनाया।

हीरो हॉकी इंडिया लीग ने भारत में 4.1 करोड़ से अधिक दर्शकों को किया आकर्षित

पुरुषों की लीग ने 3.29 करोड़ और महिलाओं की लीग ने 1.51 करोड़ दर्शकों को जोड़ा

नई दिल्ली

हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024–25 की बहुप्रतीक्षित वापसी ने भारतीय हॉकी में एक नया अध्याय जोड़ते हुए देशभर में खेल के प्रति जुनून को फिर से जीवंत कर दिया है। सात साल के अंतराल के बाद पुरुषों की लीग की वापसी और पहली बार महिला लीग की शुरुआत ने इस संस्करण को ऐतिहासिक बना दिया। लीग की रिकॉर्ड तोड़ दर्शक संख्या और डिजिटल प्रभाव इस बात का प्रमाण हैं कि हॉकी आज भी लाखों भारतीयों के दिलों की धड़कन बनी हुई है।

हीरो एचआईएल 2024–25 ने उम्मीदों से कहीं बढ़कर प्रदर्शन किया है। इस बार कुल 4.08 करोड़ दर्शकों तक पहुंच दर्ज की गई, जो एचआईएल 2017 के 2.75 करोड़ दर्शकों की तुलना में 48 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि है। पुरुषों का फाइनल मुकाबला अकेले 30.7 लाख दर्शकों ने देखा, जबकि महिलाओं का सबसे लोकप्रिय मैच 29.2 लाख दर्शकों तक पहुंचा। भारत के अलावा 18 हॉकी खेलने वाले देशों में 50 लाख से अधिक दर्शकों ने टीवी और ओटीटी के माध्यम से लीग का आनंद लिया।

इस बार लीग ने परंपरागत दर्शक वर्ग के अंतर को भी तोड़ा है। सामान्यत: पुरुष और महिला खेलों के दर्शकों में छह गुना तक का अंतर देखने को मिलता है, लेकिन हीरो एचआईएल ने इस सोच को बदल दिया। कई मौकों पर महिला मुकाबलों को भी पुरुष मुकाबलों के समान दर्शक मिले। 44 पुरुष मुकाबलों को 3.29 करोड़ दर्शकों (2.35 करोड़ टीवी पर और 94 लाख ओटीटी पर) ने देखा, वहीं 13 महिला मुकाबलों को 1.51 करोड़ दर्शकों (1.05 करोड़ टीवी पर और 45.9 लाख ओटीटी पर) ने देखा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, हीरो एचआईएल 2024–25 की सफलता भारत में हॉकी के प्रति गहरे प्रेम का प्रतीक है। प्रशंसकों, ब्रांडों और प्रसारकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया लीग की अपार संभावनाओं को दर्शाती है। हम भविष्य में भी भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सिर्फ टीवी और स्ट्रीमिंग ही नहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी एचआईएल की गूंज सुनाई दी। फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर हॉकी इंडिया के 3,000 से अधिक पोस्ट्स पर 1 अरब से अधिक व्यूज़ दर्ज किए गए, जो एक सक्रिय और जीवंत हॉकी समुदाय का प्रमाण है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, हीरो एचआईएल की वापसी केवल आंकड़ों की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्रशंसकों और खिलाड़ियों में जागे नए उत्साह के लिहाज से भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि रही है। महिला लीग की शुरुआत समावेशिता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। हीरो हॉकी इंडिया लीग की यह सफलता टोक्यो ओलंपिक के बाद से हॉकी की बढ़ती लोकप्रियता को भी दर्शाती है, जहां पहले सप्ताह में हॉकी ने कुल 6.9 करोड़ दर्शकों में से 15.2 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की थी।

क्या आप जानते है फैमिली के साथ बैठकर खाने के हैं ये फायदे...

पुराने जमाने में परिवार का साथ बैठकर खाना ट्रेडिशन था और इसे शुभ भी माना जाता था। जैसे -जैसे फैमिली न्यूक्लियर होती गई ये ट्रेडिशन खत्म होते गया। ट्रेडिशन खत्म होने से बहुत कुछ खत्म होता गया, जैसे एक साथ बैठ कर बातें करना, एक दूसरे की परेशानियों को सुनना, बड़ों से अच्छी बातें सिखना आदि। पेरेंट्स के काम करने का वक्त, बच्चों की पढ़ाई सारी चीजें गड़बड़ होते गई।

लेकिन जब सारा परिवार मिलकर डिनर टेबल पर बात करता है और घर के सभी लोग मिलकर उसका कोई न कोई अच्छा सॉल्यूशन निकाल लेते हैं तो इसका नतीजा यह होता है कि पूरा परिवार एक हो जाता है।

ईटिंग टूगेदर

आजकल बच्चे बहुत ज्यादा इंट्रोवर्ट हो रहे हैं। न जाने कब उनके जेहन में क्या नेगेटिव विचार चल रहे होते हैं। ऐसे में फैमिली कम्यूनिकेशन बहुत जरुरी है नहीं तो वो गलत फैसलों की ओर बढ़ सकता हैं। साथ खाने से मुश्किल हालातों में भी कम्युनिकेशन बनता है। आज के इस दौर की बड़ी समस्या को सिर्फ ईटिंग टूगेदर' से दूर कर सकते हैं।

हेल्दी ईटिंग

अकेले खाते हुए बच्चें कुछ भी खा लेते है। पेरेंट्स बच्चों के साथ में खाना खाएंगे तो ख्याल रखेंगे कि वे हेल्दी फूड ले। साथ में ऐसा फूड खाएंगे तो जो सबकी पसंद का हो और न्यूट्रिशन से भरा हो। इससे आप बच्चों के बाहर खाना खाने की आदत भी कम कर पाएंगी।

टेबल मैनर्स

हमें खाने, खाना बनाने, चलने, दौड़ने, लाइफ के सबक हम घर पर ही सीखते हैं। बड़े होकर बच्चे ऊंचे मुकाम पाएंगे लेकिन मैनर्स डिनर टेबल पर ही सीखेंगे। बच्चों को इसके लिए किसी पर्सनैलिटी डिवेलपमेंट क्लास में भेजने की जरूरत नहीं होगी। साथ खाते हुए उनमें अच्छी आदतें डाल सकेंगी।

फैमिली वैल्यू?

पेरेंट्स-बच्चों का रिश्ता गहरा होता जाता है। एक-दूसरे की लाइफ और एक्सपीरिएंस से सीखते हैं। किशोर बच्चों में साथ खाने की आदत डालना इस दौर में तो बहुत जरूरी है। उनकी जिंदगी में गैजेट्स और कई व्यक्तित्व वाले दोस्तों की जगह है। फैमिली वैल्यू मजबूत बनाने के लिए साथ खाना खाने पर जोर दें। उन्हें उनके रूम में खाना खाने की आदत न पड़ने दें।

ये हैं अक्षय तृतीया से जुड़ी रोचक बातें, क्यों खास है ये तिथि?

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाता है। कुछ स्थानों पर इसे आखा तीज भी कहते हैं। हिंदू धर्म में इस तिथि का विशेष महत्व है, क्योंकि यह साल में आने वाले 4 अबूझ मुहूर्तों में से एक है (अक्षय तृतीया के अलावा देवउठनी एकादशी, वसंत पंचमी व भड़ली नवमी को भी अबूझ मुहूर्त माना जाता है)। इस बार ये पर्व 9 मई, सोमवार को है। आज हम आपको अक्षय तृतीया से जुड़ी कुछ खास बातें बता रहे हैं, जो इस प्रकार है-

अक्षय तृतीया क्यों है विशेष?

हिंदू पंचांग के मुताबिक वर्ष के दूसरे महीने वैशाख के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि अक्षय तृतीया कहलाती है। इस तिथि पर किए गए दान-धर्म का अक्षय यानी कभी नाश न होने वाला फल व पुण्य मिलता है। इसलिए यह सनातन धर्म में दान-धर्म का अचूक काल माना गया है। इसे चिरंजीवी तिथि भी कहते हैं, क्योंकि यह तिथि 8 चिरंजीवियों में एक भगवान परशुराम की जन्म तिथि भी है। हिंदू धर्म मान्यताओं में किसी भी शुभ काम के लिए साल के स्वयं सिद्ध मुहूर्तों में आखा तीज भी एक है।

क्या है पौराणिक मान्यताएं?

शास्त्रों के मुताबिक वैशाख माह विष्णु भक्ति का शुभ काल है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक इस माह की अक्षय तृतीया को ही भगवान विष्णु के नर-नरायण, हयग्रीव और परशुराम अवतार हुए थे। इसलिए इस दिन परशुराम जयंती, नर-नारायण जयंती भी मनाई जाती है। त्रेतायुग की शुरूआत भी इसी शुभ तिथि से मानी जाती है। इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा भी पुण्यदायी व महामंगलकारी मानी जाती है।

किन चीजों के दान का है खास महत्व?

इस शुभ तिथि पर किए गए दान व उसके फल का नाश नहीं होता। इस दिन खासतौर पर जौ, गेहूं, चने, सत्तू, दही-चावल, गन्ने का रस, दूध के बनी चीजें जैसे मावा, मिठाई आदि, सोना और जल से भरा कलश, अनाज, सभी तरह के रस और गर्मी के मौसम में उपयोगी सारी चीजों के दान का महत्व है। पितरों का श्राद्ध और ब्राह्मण भोजन कराने का भी अनन्त फल मिलता है।

वह दिन दूर नहीं जब मानव का मस्तिष्क अत्याधुनिक कंप्यूटर के जरिए संचालित होने लगेगा और वह व्यक्ति के विचारों को पढ़ने में सक्षम हो जाएगा। इससे दिमाग का रिश्ता हमारे लिए कितना मददगार साबित होगा, वैज्ञानिक इसकी संभावनाएं तलाशने में जुटे हैं। सेना में साइबॉर्ग सोल्जर, मेडिकल सेक्टर में सर्जरी, टेलीपैथी, किसी प्रकार की शारीरिक अक्षमता के उपचार या परिवहन में इसका इस्तेमाल की योजनाएं बनाई जा रही है। वास्तव में भविष्य का समाज साइबॉर्ग का समाज होगा। साइबॉर्ग उस व्यक्ति को कहा जाता है, जिसके शरीर के भीतर किसी एक अंग का कार्य कम्प्यूटर या इलेट्रॉनिक्स उपकरण के जरिए होता है।

यह दुनिया होगी साइबॉर्ग की...

जब बात दो आंखों के अलावा तीसरी आंख की होती है, तो मन में हिंदुओं देवता शिव का नाम आता है, जिनकी तीन आंखें हैं, जो उनके मस्तिष्क के ठीक बीच में है और वे उससे पूरे विश्व को नष्ट कर सकते हैं, लेकिन तेजी से मॉर्डन होती दुनिया में ब्रिटेन का एक शख्स ऐसा भी है, जिसकी तीन आंखें हैं और वह अपनी तीसरी आंख से बहुत कुछ ऐसा देख सकता है जो शायद आप, हम या कोई दूसरा सामान्य व्यक्ति न देख पाए। जी हां, तीन आंखों वाले इस शख्स का नाम है नील हॉर्बिसन। नील दुनिया के ऐसे पहले शख्स हैं जिनकी तीन आंखे हैं। कमाल की बात है कि वे इस आंख से देखते नहीं बल्कि सुनते हैं। दरअसल, तीसरी आंख के रूप में नील के मस्तिष्क में एक ऐसा एंटिना लगा है, जो पीछे से दोनों आंखों की आगे की ओर है। यही नील की तीसरी आंख है, जिससे वे किसी भी रंग को देखते नहीं हैं बल्कि सुनते हैं। वे ध्वनियों के आधार पर रंगों को पहचानते हैं। नील दुनिया के पहले साइबॉर्ग हैं। साइबॉर्ग उस व्यक्ति को कहा जाता है, जिसके शरीर के भीतर किसी एक अंग का कार्य कम्प्यूटर या इलेट्रॉनिक्स उपकरण के जरिए होता है। नील की कुदरती आंखें रंग नहीं पहचानती जबकि वह अपनी एंटिना आई से रंगों को सुनकर पहचानते हैं। नील के मस्तिष्क में जो डिवाइस लगी है, उसे ऑईबॉर्ग कहा जाता है। यह एक ऐसा इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है जो परमानेंटली इंटिग्रेटेड है। यह टेक्नॉलॉजी रंगों को ध्वनियों में ट्रांसफॉर्म करके नील के दिमाग में भेजता है और नील ध्वनि से रंगों को पहचान लेते हैं। नील की बॉडी में परमानेंट फिक्स यह डिवाइस 360 रंगों को ध्वनियों में बदल सकती है। नील इससे अल्ट्रासाउंड और अल्फा रेड एनर्जी को भी पहचान लेते हैं, जो सामान्य मनुष्य के लिए असंभव है, इसलिए भी नील दुनिया के पहले साइबॉर्ग कहे जाते हैं। नील के दिमाग में फिट यह एंटिना डिवाइस दरअसल, उनके शरीर में बह रहे खून से रिचार्ज होता है। नील इस डिवाइस के जरिए किसी भी तरह के फोन कॉल को रिसीव कर सकते हैं। डिवाइस में लगे इंटरनल इंटनेट से नील सेटेलाइट के साथ किसी के कैमरे से भी रंग ग्रहण कर सकते हैं। नील को अपने दिमाग में इस तरह की डिवाइस की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि वे दुनिया के पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्हें जन्म से ही एक्रोमटोप्सिया है। यह एक ऐसी अवस्था है, जिसमें जन्मे बच्चे केवल ग्रे स्केल ही देख सकते हैं। यानी की नील को हर रंग सफेद या काला ही नजर आता रहा। साइबॉर्ग की परिकल्पना एक ऐसे मानव की है, जिसकी शारीरिक क्षमता उसके शरीर में काम कर रहे मशीनी अंगों के कारण कहीं अधिक हो जाती है। मानव काया में रोबोटिक या कंप्यूटरीकृत स्वरूप समा जाना भावी सच है। शोधकर्ताओं का कहना है कि बायोलॉजिकल कंप्यूटर में हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों ही जैविक अणु हैं, जो कार्य के अनुरूप भिन्नता लिए हुए हैं। 1960 में साइबॉर्ग शब्द का इस्तेमाल पहली बार मैन्फ्रेड क्लेंस और नेथन एस. क्लाइन ने अपने एक लेख में किया था।

दिव्यांगों के लिए वरदान

इनसान द्वारा बनाए गये कंप्यूटर के साथ भविष्य में कैसा संवाद कायम होनेवाला है, जिसमें दिमाग सीधे तौर पर कंप्यूटर से संपर्क स्थापित कर लेगा। अर्थात् न माउस होगा, न कीबोर्ड और न ही कर्सर! यह सब इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नियंत्रित करने के नए तरीके के दरवाजे खोल सकता है, तो दिव्यांगों के लिए वरदान साबित हो सकता है। यह किसी साइंस फिल्म या फिक्शन की तरह नहीं, बल्कि हकीकत में बदलने जैसे कुछ प्रयोग और किएजानेवाले प्रदर्शनों के आधार पर कहा जा सकता है कि भविष्य में कार चलाता हुआ व्यक्ति अपनी कार को दायें-बायें मुड़ने, आगे बढ़ने या रुकने का आदेश केवल अपनी सोच से ही दे दे सकता है। इसके लिए स्टेयरिंग को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दूर बैठे किसी रोगी के दिमाग में डॉक्टर की महत्वपूर्ण सूचना के संकेत मिल जाएंगे और उसका उपचार आसान हो जाएगा। यह भी मुमकिन है कि कोई व्यक्ति बगैर रिमोट का बटन दबाए ही सामने टीवी का चैनल बदलने की सोचे और वह बदल जाए। यह कहें कि हम केवल सोचें और सामनेवाला व्यक्ति हमारी मनोभावना को समझ ले कि हम उसके लिए क्या करने वाले हैं। इस संदर्भ में कुछ भविष्यद्रष्टा वैज्ञानिकों का दावा है कि आनेवाले कुछ सालों में इनसान जब अपने दिमाग को कंप्यूटर पर अपलोड करने में कामयाब हो जाएगा, तब यह संभव हो पाएगा। इस दिशा में वैज्ञानिकों को ब्रेन-कंप्यूटर-इंटरफेस बनाने में कामयाबी हासिल हो चुकी है।

अब शरीर भी लॉग इन

कंप्यूटर ने अब जीवन के हरकारों यानी डीएनए से नाता जोड़ लिया है। वैज्ञानिकों ने ऐसे बायोलॉजिकल कंप्यूटर के विकास का दावा किया है, जिसमें बायो-मॉलिक्यूल आधारित कंप्यूटिंग सिस्टम कार्य कर रहा है। जीवन के हरकारे क्रोमोसोम्स यानी गुणसूत्र जब एक से दूसरी पीढ़ी तक गुणों का पुलिंदा लेकर चलते हैं तो खास अवयव उनके मददगार होते हैं। डीएनए यानी डीऑक्सी राइबोन्यूक्लिक एसिड और आरएनए यानी राइबोन्यूक्लिक एसिड यही अवयव हैं। कंप्यूटर महारथियों ने इसी डीएनए को बतौर माइक्रोप्रोसेसर प्रयोग कर डाला है। कंप्यूटर में प्रारंभ से ही सिलिकॉन आधारित माइक्रोप्रोसेसर का प्रयोग किया जाता रहा है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने पिछले दिनों दावा किया था कि वह विश्व के पहले बायोलॉजिकल कंप्यूटर के विकास में कामयाब हो चुके हैं। कैलिफोर्निया स्थित स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट और टेकिन्योन-इस्राइल इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर वैज्ञानिकों की संयुक्त रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि उन्होंने ऐसा कंप्यूटिंग सिस्टम निर्मित किया है, जिसमें पहली बार बायो-मॉलिक्यूल्स का प्रयोग हुआ है। हालांकि इससे पूर्व डीएनए का प्रयोग कंप्यूटर में किया जा चुका है, मगर वह न तो इतना प्रभावी था और न ही इस तरह के अति संवेदी रूप में था। यह डीएनए को प्रयुक्त कराते हुए जैविक अणुओं की विशेष सफलता है।

चिप से डीएनए की तुलना

हम कंप्यूटर विकास में काफी आगे निकल चुके हैं, फिर भी बहुत कुछ करना बाकी है। बायो-मॉलिक्यूल आधारित सफलता इसी दिशा की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। कुछ समय पूर्व ऐसी ही एक सफलता प्रिंस्टन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को भी मिली थी, जिसे पहली कड़ी कहा जाएगा। यहां के शोधकर्ताओं ने माइक्रोप्रोसेसर चिप में विद्युत प्रवाह के स्थान पर डीएनए के अंश प्रयोग किए हैं। इस प्रकार के नए चिप्स, जिनमें विशिष्ट आनुवांशिक सूचनाएं भरी हुई हैं, माइक्रोएरेज कहलाते हैं। वैज्ञानिकों ने इस अनोखी पद्धति से एक महत्वपूर्ण चिकित्सीय सफलता प्राप्त कर दिखाई। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि एक बार कंप्यूटर में इस प्रकार का डीएनए भर लिया जाए तो आम चिप से मानव डीएनए की तुलना करना आसान हो जाता है। इसी सफलता को आधार बनाते हुए यह समझा जा सकेगा कि किस डीएनए में कैंसर प्रभाव के कारण कैसे और किस हद तक बदलाव आते हैं। अब सवाल पैदा होता है कि सिलिकॉन माइक्रोप्रोसेसर की आवश्यकता क्यों पड़ी और वह महत्वपूर्ण क्यों है? रिपोर्ट बताती है कि डीएनए प्रोसेसरयुक्त चिप एकदम साफ है, जबकि अभी तक प्रयुक्त पदार्थ विशाक्त हैं और सहज उपलब्ध भी नहीं हैं। महत्वपूर्ण यह है कि डीएनए में बेहद कम स्थान में कई गुना अधिक सूचनाएं भरी होती हैं, जो सामान्य चिप में हो ही नहीं सकता।

डीएनए कंप्यूटिंग में सफलता

लंबे समय से डीएनए कंप्यूटिंग पर कार्य किया जा रहा है और सफलताएं भी हाथ लगी हैं, मगर अभी तक इसका प्रयोग स्पष्ट तौर पर कर पाना संभव न था। हालिया सफलता ने यह राह खोल दी है। डीएनए कंप्यूटिंग या मॉलिक्यूलर कंप्यूटिंग असल में जैविक अणुओं का कंप्यूटर में प्रयोग है, जिस पर 'बायोलॉजिकल कंप्यूटर' से जुड़े परीक्षणों की शुरुआत हुई। आज यह भी पुष्टि की जा चुकी है कि डीएनए में सिलिकॉन कंप्यूटर की अपेक्षा कई गुना डेटा संग्रह क्षमता है। एक ग्राम डीएनए 11014 एमडब्ल्यू डेटा संग्रह की क्षमता रखता है, जो लगभग एक जीबी डेटा के बराबर है। देखा जाए तो बायोलॉजिकल कंप्यूटर दुनिया के किसी भी अन्य कंप्यूटर की अपेक्षा अत्यंत सूक्ष्म और अतितीव्र है। इसमें प्रयुक्त चिप को बायो चिप कहते हैं। रिपोर्ट में स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि उनकी यह सफलता अब तक की सफलताओं से भिन्न यों भी है कि इसमें पूरी तरह से जैविक अणुओं को शामिल किया गया है। इस मशीन में चार मुख्य घटक हैं, जो जैविक अणु ही हैं। वह तो यह भी खुलासा करते हैं कि हर जीवित प्राणी एक प्रकार का जैविक कंप्यूटर ही है, बस रूप बदला हुआ है। इसके चारों घटक अणु हैं, जो आपस में बतियाते हैं।

एकदम भिन्न रूप

बायोलॉजिकल कंप्यूटर का स्वरूप सामान्य कंप्यूटर से एकदम भिन्न है। इसमें कोई निर्धारित स्वरूप नहीं है, जो मॉनीटर, माउस जैसी रचना लाए। यह तो एक छोटी रचना है। इसे एक परखनली में अत्यंत संवेदी दशा में निर्धारित रसायनों के घटकों को द्रव्य घोल में मिश्रित कर तैयार किया जाता है। अभी यह सारी क्रियाएं जटिल नजर आती हैं, मगर भविष्य की कंप्यूटर क्रांति को जन्म दे चुकी हैं। इसे यों भी समझा जा सकता है कि एक कोशिका में डीएनए संरचना विविध एंजाइम्स की मदद से जैव रासायनिक क्रियाओं द्वारा सुधरती है। कोशिका एक अत्यंत सूक्ष्म प्रोटीन मशीन है, जो डीएनए में लिखी सूचना पढ़ती है। यही कोशिका आणविक स्तर पर डीएनए को संचालित करती है। इसमें कुछ एंजाइम इस संरचना की सूचना प्रतिलिपि तैयार करते हैं तो कुछ टूट-फूट की मरम्मत भी करते हैं। इसी पर आधारित है बायोलॉजिकल कंप्यूटर। यहां आणविक जीव विज्ञान, जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी के तालमेल से प्रभावी प्रौद्योगिकी विकसित हुई है, जो मात्र एक परखनली में हमें कंप्यूटर सरीखी विभिन्न क्रियाओं को सम्पन्न करने का अवसर देती है। इस तरह से सूक्ष्म और प्रभावी तकनीक के साथ जैविक कंप्यूटर हरकत में आता है। यही विभिन्न कैलकुलेशन भी करता है। रोचक बात यह है कि यहां डीएनए की कटिंग, कॉपिंग, पेस्टिंग रिपेयरिंग प्रभावी क्रियाएं स्वतः ही सम्पन्न होती रहती हैं।

रहस्यमयी डीएनए

भविष्य में बायोलॉजिकल कंप्यूटर के लिए डीएनए की मांग सामने आएगी। प्रयोगशाला स्तर पर इसकी उपलब्धता पूरी होगी। एक रोचक आंकड़ा यह है कि मानव शरीर में साठ से सौ खरब कोशिकाएं हैं। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि यदि सारी कोशिकाओं के डीएनए एकत्र किए जाएं तो चुटकी भर नमक से ज्यादा न होंगे। मगर इतने भर में ही असंख्य सूचनाएं समाई हैं। यही बायोलॉजिकल कंप्यूटर का डेटा संग्रह बनी हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यद्यपि अभी डीएनए कम्प्यूटर केवल मूल गणना ही कर सकता है , लेकिन गति और क्षमता के मामले में डीएनए कम्प्यूटर आम कंप्यूटरों के मुकाबले कहीं तेज है। डेस्कटॉप कम्प्यूटर गणना जल्दी कर सकता है, लेकिन डीएनए कम्प्यूटर एक समय में दस संभावित हल निकाल सकता है। भविष्य में डीएनए कम्प्यूटर की क्षमता आम कम्प्यूटर के मुकाबले दस लाख गुना अधिक होगी।

साइबॉर्ग सोल्जर

कंप्यूटर द्वारा दिमाग को पढ़ने की दिशा में किए जा रहे प्रयोगों से मिली अब तक की सफलता से संभव है कि वह हमारे विचार को समझने में सक्षम हो जाए। अमेरिकी सेना में साइबॉर्ग सोल्जर के रूप में इसके व्यापक स्तर पर इस्तेमाल की योजना बनाई गई है। साइबॉर्ग सोल्जर का अर्थ ऐसे काल्पनिक इनसान से है, जिसके शरीर में मैकेनिकल तत्वों को निर्मित करते हुए उसकी भौतिक क्षमताओं का दायरा सामान्य इनसान के मुकाबले ज्यादा व्यापक किया जाता है। इस संबंध में विकसित की जा रही नयी परियोजना के तहत मानव मस्तिष्क में एक खास चिप का प्रत्यारोपण किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक कंप्यूटर का इनसानी दिमाग के साथ सीधे संवाद कायम करने का तरीका निकालने में जुटे हुए हैं। डीएआरपीए यानी अमेरिकी सेना की डिफेंस एडवांस रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी के वैज्ञानिकों और तकनीशियनों ने इसके लिए प्रत्यारोपित चिप्स विकसित करने संबंधी एक कार्यक्रम शुरू किया है।

इलेक्ट्रॉनिक खून

इंसान के दिमाग की संरचना से प्रेरित आइबीएम ने इनसानी दिमाग जैसा कंप्यूटर बनाने के क्रम में वैज्ञानिकों ने जिस द्रव का इस्तेमाल किया है, उसे कंप्यूटर का इलेक्ट्रॉनिक खून कहा जा सकता है। इस द्रव के जरिए ही उस दिमाग जैसे कंप्यूटर को ऊर्जा मिलती है और सहजता से संचालित होता है। इनसान के दिमाग की बहुत छोटी-सी जगह में असाधारण गणना क्षमता होती है और उसके लिए मात्र 20 वॉट ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। नए कंप्यूटर में भी ऐसी ही क्षमता विकसित की जा सके। इसके लिए वैज्ञानिकों ने कंप्यूटर के नए रिडॉक्स फ्लो तंत्र का इस्तेमाल किया। यह तंत्र एक ऐसी रासायनिक प्रक्रिया के तहत कार्य करता है, जिसमें एक बार ऑक्सीकरण होने पर उसकी विपरीत प्रतिक्रिया में कमी आती है।

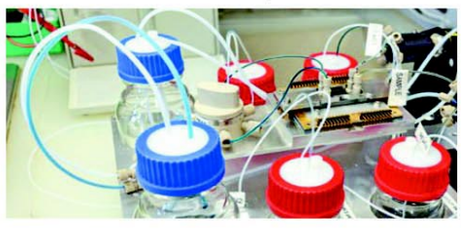

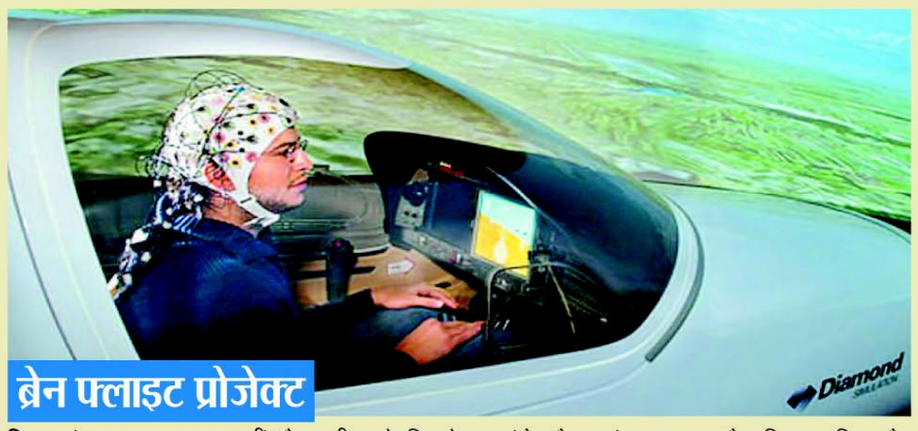

ब्रेन फ्लाइट प्रोजेक्ट

विमान संचालन आसान काम नहीं और न ही इसके लिए केवल कंट्रोल पैनल संभालना पड़ता है, बल्कि मानसिक तौर पर भी सतर्क और जागरूक रहना पड़ता है। जून, 2014 में एक फ्लाइट सिमुलेटर में बैठे पायलट को हाथ का इस्तेमाल किए बगैर विमान को अपने रास्ते पर बनाए रखने और संचालन में कामयाबी मिली थी। ऐसा यूरोपीय संघ की मदद से एक ब्रेन फ्लाइट प्रोजेक्ट के तहत संभव हुआ। इसके लिए पायलट को दिमागी गतिविधियों को मापनेवाला इलेक्ट्रोड कैप पहनाया गया, जिससे विमान संचालन के समय उसका दिमाग ही आंख की भूमिका निभाने में सक्षम बन गया था और वह जॉय स्टिक की मदद से विमान का उड़ान पथ तय करने में सफल हुआ। हालांकि, इस तकनीक का इस्तेमाल शारीरिक अशक्त पायलटों के लिए होने में अभी कई साल लगेंगे, लेकिन तब यह प्रयोग दिमागी कंट्रोल काफी चौंकाने वाला साबित हुआ। यह तकनीक कंप्यूटर को ब्रेन-कंप्यूटर-इंटरफेस के जरिए हमारे विचारों और भावनाओं तक पहुंच को मुमकिन करते हुए उन पर काम करना और आसान बना सकती है। नए इंटरफेस बनाए जा सकते हैं, जो आवाज की लय, संकेतों और नकल करने की आदतों जैसी इस्तेमाल की बहुत सारी सूचनाओं का उपयोग करते हैं।

जल्दी कैसे जागें...?

रात में सोने से पहले यह सोचते हैं कि 6 बजे हर हाल में उठ जाउंगा लेकिन सोचते ही रह गए और बज गए 7। क्या यह आपके साथ रोज होता है? शायद ये रोज की कहानी हो गई है देर से उठना क्योंकि सुबह बिस्तर छोड़ने का मन ही नहीं होता। जागने के बाद देर तक आराम फरमाते रहते हैं और बाद में पछताते हैं। अगर इससे निपटना है तो कुछ तरीके आजमाएं और रोजाना पछताने से बचें। कुछ लोग जिन्हें 7 बजे उठना होता है तो वो 6 या 6.30 का अलार्म लगा देते हैं और सोचते हैं कि अलार्म ऑफ करते-करते तो सही समय पर उठ ही जाएंगे। लेकिन यह गलत तरीका है। आपको जिस समय उठना है उस समय का ही अलार्म लगाएं और उस समय ही उठें। सवाल ये होता है कि सही समय पर अलार्म तो लगा लें लेकिन उठेंगे कैसे? तो हम आपको बताते हैं कुछ तरीके जिससे ये सब आसान हो जाएगा।

दूर रखें अलार्म

जिस समय उठना है उस समय का अलार्म लगाएं और अलार्म घड़ी या मोबाइल बेडरुम के दूसरे छोर पर रखें जिससे उसे बंद करने के लिए बिस्तर से उठना पड़े। इससे दोबारा बिस्तर पर लुढकने से बच जाएंगे। अगर अलार्म पास ही रख कर सोना चाहते हैं तो एक तरीका और है कि लेटे-लेटे अलार्म बंद करने के बजाए बिस्तर पर बैठ जाएं और तब उसे बंद करें। रात को सोने से पहले खिड़कियों के पर्दे हटा दें जिससे सुबह होते ही कमरे में रोशनी आएगी तो इससे आसानी से उठ सकेंगे।

वीकएंड पर

नेशनल स्लीप सर्वे के अनुसार सुबह बिस्तर छोड़ने में परेशानी होने का एक कारण है कि कई लोग वीकएंड पर वीकडेज की अपेक्षा थोड़ा देर से सोते हैं। वास्तव में हमारा शरीर 5 दिन में एक निश्चित समय पर सोने के लिए तैयार हो जाता है जोकि छुट्टी वाले दिन बदलने से बिगड़ जाता है। तो कोशिश करें कि वीकएंड पर भी उसी समय पर सोए जिससे रोजाना सोते हैं।

कसरत की आदत

रोजाना जो लोग थोड़ी देर भी कसरत के लिए निकालते हैं उनको सुबह के समय कम नींद कम आती है और समय पर उठ जातें हैं। दिन में खूब सारी पानी पिएं। उठने के एक घंटे के अंदर ही पानी पिएं। इससे सुबह जल्दी उठने में फायदा होगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**